दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित एनसीआर (इंडिया) का हिन्दी दैनिक

मो.9643311765

सत्यजय टाईम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष-15 अंक-114 रविवार 26 अप्रैल, 2026, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद (एनसीआर) से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com Satyajay Times satyajaytimes

एक नजर

एसएचओ निलंबित

हांसी, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा पुलिस विभाग ने अनुशासनहीनता के एक गंभीर मामले में बड़ा कदम उठाते हुए हांसी के एसएचओ प्रेम कुमार को निलंबित कर दिया है। उन पर ड्यूटी के दौरान शराब का सेवन करने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगे हैं। इस कार्रवाई को विभाग की छवि बनाए रखने और अनुशासन कायम रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार निलंबन की ताजा कार्रवाई उस घटना के बाद हुई जब एसएचओ प्रेम कुमार ड्यूटी के समय शराब के नशे में पाए गए। इतना ही नहीं उन पर आरोप है कि उन्होंने एसपी कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार...

शेष पेज 4 पर...

पीडीडी फर्जी नियुक्ति घोटाले में ईओडब्ल्यू ने की कार्रवाई

श्रीनगर, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) श्रीनगर ने बारामुला की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत में दो आरोपियों और एक मृत पूर्व इंजीनियर के खिलाफ एक कथित पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) नौकरी घोटाले में चार्जशीट दाखिल की है। इस घोटाले में फर्जी नियुक्ति आदेश, जाली सर्विस रिकॉर्ड और अवैध वेतन भुगतान शामिल हैं। ईओडब्ल्यू के प्रवक्ता ने कहा कि क्राइम ब्रांच जम्मू कश्मीर के इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू), श्रीनगर ने एफआईआर संख्या 46/2023 के तहत भ्रष्टाचार निरोधक अदालत, बारामुला के समक्ष चार्जशीट दाखिल की है।

यह चार्जशीट कुनन बाबागुंड बांदीपोरा के नासिर अहमद मीर, अरागाम बांदीपोरा के मुश्ताक अहमद मलिक (कीपीडीसीएल में एक ...

शेष पेज 4 पर...

पीएम मोदी से मिले नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी

- प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाविद गोबर्धन दास भी बने सदस्य।
- पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मैंने अशोक कुमार लाहिड़ी से मुलाकात की और नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष डॉ. अशोक लाहिड़ी ने पद संभालने के ठीक एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह उनकी नई जिम्मेदारी में पहली आधिकारिक बैठक थी, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार नीति आयोग के कामकाज को लेकर सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही है।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अशोक लाहिड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और नई टीम को जिम्मेदारी दी है। वहीं, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मैंने अशोक कुमार लाहिड़ी से मुलाकात की और नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अर्थशास्त्र और लोक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के सुधार और विकसित भारत बनने की दिशा में उनके प्रयासों को बहुत मजबूती प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि उनके प्रयासों से हमारे देश में नीति निर्माण को और अधिक ऊर्जा मिलेगी। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

अशोक लाहिड़ी ने इस पद पर सुमन बेरी की जगह ली है, जो मई 2022 से इस पद पर थे। अशोक लाहिड़ी एक जाने-माने अर्थशास्त्री हैं और फिलहाल पश्चिम बंगाल के बालुरघाट से भाजपा विधायक भी हैं। उनका लंबा अनुभव उन्हें इस पद के लिए खास बनाता है। अशोक लाहिड़ी का करियर काफी शानदार रहा है। वे

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं औरविश्व बैंक तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वैश्विक संस्थाओं के साथ भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियन डेवलपमेंट बैंक और कई प्रमुख संस्थानों में भी अपनी सेवाएं दी हैं। इस नियुक्ति में एक खास बात बंगाल से जुड़ी भी है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाविद गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का सदस्य बनाया जा रहा है। इससे नीति आयोग में बंगाल के प्रतिनिधित्व को मजबूती मिलती दिख रही है। गोवर्धन दास पहले आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक रह चुके हैं और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी पढ़ा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मौके पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

राजा नहीं, किसान का बेटा हूं, मैंने खुद भी खेती की है : मुख्यमंत्री

पीएम की जनहितैषी योजनाओं से लाखों लोग गरीबी रेखा से हुए बाहर

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पश्चिमी बंगाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफा बीजेपी की सरकार बनेगी। प्रधानमंत्री ने गरीब व जनहितैषी योजनाओं को लागू किया है जिनका लाखों लोगों ने लाभ उठाया है और वे गरीबी रेखा से बाहर हुए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को चण्डीगढ में आयोजित प्रेस वार्ता में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रदेश के राजा नहीं बल्कि एक किसान के बेटे हैं और उन्होंने स्वयं खेती की है। इसलिए किसानों की समस्याओं से भलीभांति परिचित है। उन्होंने कहा कि वे किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सदैव तत्परता से लगातार कार्य कर रहे हैं। कांग्रेसी नेताओं द्वारा मंडियों के लगातार दौरों के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ऐसा

वातावरण खड़ा करने में लगा है जैसे उनके समय में किसान बहुत खुश थे। वो केवल झूठ की दुकान खोलकर आमजन को गुमराह करने में लगे हैं, लेकिन जनता इन्हें अच्छे से समझती है। कांग्रेसी चुनाव के समय पोर्टल बंद करने की बात करते थे लेकिन जनता ने इन्हीं का पोर्टल बंद कर दिया है। वर्ष 2014 से लगातार डबल इंजन की सरकार विकास कार्यों को तेजी से कर रही है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में आप पार्टी ने मतदाताओं को बड़े-बड़े वायदे और सब्जबाग दिखाए थे। इनमें किसानों का कर्जा माफ करना, युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना, पंजाब को नशे से मुक्त करना, महिलाओं को लाभ देने जैसे वायदे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशा बढ़ गया है और युवा नशे की गिरफ्त में हैं। उन्होंने

- बंगाल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक तरफा भाजपा सरकार बनेगी : नायब सिंह सैनी

कहा कि चुटकलों से जनता का पेट नहीं भरता, इसके लिए जनकल्याण के कार्य करने पड़ते हैं। हरियाणा में किसानों, महिलाओं, युवाओं के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। पंजाब में भाजपा की सरकार बनते ही हरियाणा में लागू सभी योजनाएं एवं व्यवस्थाएं हुबहू लागू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आयुष्मान चिरायु योजना के तहत अब तक 27 लाख से ज्यादा परिवारों ने ईलाज करवाकर स्वास्थ्य लाभ उठाया है। पंजाब में आप सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक बनाए थे, वे अब हल्ला क्लीनिक बन गए हैं। पंजाब की जनता अब इनसे अपना पिण्ड छुड़वाना चाहती है। एक अन्य जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डी ग्रुप के 18 हजार युवाओं के पदोन्नति के मामले को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसके लिए एक दिन का विधानसभा का सत्र बुलाया गया है। विपक्ष ने देश की आधी आबादी को धोखा दिया है। लोग इसकी निंदा कर रहे हैं।

एक अन्य प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर की स्थिति की सख्ती से मोनिटरिंग की जा रही है। यदि कोई ड्रग व नशा बेचते पाया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

लोगों को नशा मुक्ति केन्द्रों में भेजकर नशे से निजात दिलाई जा रही है। इसके अलावा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे से सचेत किया जा रहा है। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जंयती पर 14 अप्रैल को पंचकूला में मैराथन का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लोगों को नशे से दूर करना ही था।

राज्य में परिवर्तन न केवल संभव है, बल्कि निश्चित है : रक्षा मंत्री

कहा- पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतेगी भाजपा

हुगली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्वास जताया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवर्तन न केवल संभव है, बल्कि निश्चित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले चरण में लगभग 93 फीसदी मतदान से स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो रही है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि भाजपा या एनडीए सरकार ही इसकी गारंटी दे सकती है।

हुगली में एक रोड शो के दौरान बोलते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैंने पहले ही कहा था कि बंगाल में अब गुंडे नहीं रहेंगे। अगर वे रहे, तो वे बंगाल की जेलों में होंगे या 'ऊपर

होंगे'... हम कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे। हम किसानों को उचित मूल्य देंगे, युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे और साथ ही, हम अच्छी सड़कें बनाएंगे। सभी बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।' राजनाथ सिंह ने कहा कि 2011 में 84 फीसदी मतदान पर वाम सरकार हटी थी, इस बार 93 फीसदी मतदान टीएमसी सरकार के जाने का संकेत है। उन्होंने ममता बनर्जी की टिप्पणियों को निराशाजनक बताया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। राज्य में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान हुआ था, जिसकी मतगणना 4 मई को होगी।

यादवेंद्र गोमा ने मनसुख मांडवियासे की मुलाकात

शिमला, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। शिविर में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज की मांग उठाई। उन्होंने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडवियासे मुलाकात की ओर उन्हें हिमाचली शाल ओर टोपी पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही हिमाचल में खेलो को बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज देने की मांग उठाई साथ ही किन्नौर, लाहौल-स्पीति और धर्मशाला में हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया।

यादविंद्र गोमा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियाँ खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए बेहद अनुकूल हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण खिलाड़ियों को ...

शेष पेज 4 पर...

शिवसेना विधायक की भाषा पर फडणवीस सख्त

कहा– अपमानजनक शब्द स्वीकार्य नहीं

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। छत्रपति शिवाजी महाराज पर लिखी एक पुस्तक को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने कहा कि शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा प्रकाशक के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि शिवाजी महाराज का सम्मान सभी के लिए समान है और इसमें किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब विधायक संजय गायकवाड़ ने कोल्हापुर के प्रकाशक प्रशांत अंबी को फोन पर कथित तौर पर धमकी दी। मामला उस पुस्तक से जुड़ा है, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज को केवल उनके

पहले नाम से संबोधित किया गया था। यह मराठी पुस्तक शिवाजी कोण होता मूल रूप से दिवंगत उढक नेता गोविंद पानसरे द्वारा लिखी गई थी और 1988 में प्रकाशित हुई थी। नासिक में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 40 साल पुरानी किताब को लेकर विवाद खड़ा करना सही नहीं है और ऐसी भाषा का इस्तेमाल भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस मामले में उचित निर्देश देंगे। प्रकाशक ने आरोप लगाया है कि विधायक ने फोन पर न केवल गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी और उनकी जुबान काटने जैसी बातें कही गईं। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

विवाद बढ़ने के बाद संजय गायकवाड़ ने कहा कि उन्होंने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था कि शिवाजी महाराज के नाम पर रखे गए सभी संस्थानों के नाम में छत्रपति शिवाजी महाराज जोड़ा जाए। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी को अपमानित करना नहीं था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तक में कुछ जगहों पर शिवाजी महाराज के लिए अनुचित शब्द का प्रयोग किया गया है, जिसे सही तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

सूखे मेवों के लिए मशहूर अमृतसर की मजीठ मंडी का सोनीपत में होगा विस्तार

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सूखे मेवों के लिए मशहूर अमृतसर की मजीठ मंडी का सोनीपत में विस्तार होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह से मिलने शनिवार को संत कबीर कुटी पहुंचे मंडी व्यापारियों ने सूखे मेवे के थोक व्यापार को सोनीपत में विस्तारित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। प्रदेश सरकार सोनीपत के राई में दिल्ली के खारी बावली तथा भगीरथ पैलेस के विस्तार को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। व्यापारियों ने अपने व्यवसाय के विस्तार तथा हरियाणा में निवेश की संभावनाओं को लेकर मुख्यमंत्री से विस्तार से चर्चा की। नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। निवेशकों को सभी आवश्यक सुविधाएं ...

शेष पेज 4 पर...

सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में भाजपा जीतेगी 110 सीटें : अमित शाह

- 'ममता सरकार में माताओं-बहनों पर सबसे ज्यादा अत्याचार'
- 'मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं'
- '5 तारीख के बाद घुसपैठिए को चुन-चुनकर निकालेगी भाजपा'

पूर्व वर्धमान, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में एक जनसभा में सत्ताधारी दल टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर करारा हमला बोला है। अमित शाह ने चुनावी रैली में कहा- पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी; ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया है और बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाने का वादा किया है ताकि मतुआ समुदाय के सभी लोगों को नागरिकता मिल सके।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि पूरे बंगाल में घूमता-घूमता आज मैं जमालपुर में आया हूं। टीएमसी की जगह यहां कमल फूल की सरकार बनेगी, भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने आगे कहा, 'ममता सरकार में 15 साल में सबसे ज्यादा संत्रास अगर किसी पर हुआ है तो माताओं-बहनों पर हुआ है। आरजी कर, संदेशखाली, कोलकाता लॉ कॉलेज, दुर्गा लॉ कॉलेज... हर जगह पर माताओं-बहनों के साथ अत्याचार हुआ। और ये दीदी कहती हैं कि माताएं-बहनें सात बजे के बाद घर के बाहर न निकलें, लेकिन मैं बताकर जाता हूं कि 5 तारीख के बाद छोटी बच्ची भी रात को एक बजे निकलेगी और कोई गुंडा आंख उठाकर

भी नहीं देख पाएगा। गृह मंत्री ने इस दौरान कहा कि मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं है। ये दीदी सीएए कानून को लागू नहीं करती है। आप कमल फूल की सरकार बना दो, 5 तारीख के बाद सभी मतुआ समाज के भाईयों-बहनों को नागरिकता देने का काम भाजपा की सरकार करेगी। दीदी के गुंडे मतदान के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इन गुंडों को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं। 29 अप्रैल को घर से बाहर मत निकलना। अभी हम सिर्फ आपको आगाह कर रहे हैं। क्योंकि 5 मई के बाद आपको जेल भेज दिया जाएगा। अमित शाह ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज पूरा बंगाल सिंडिकेट से त्रस्त है। आपको सीमेंट लेना तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है, ईंट लेनी है तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है, बालू लेना है तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है... इन सिंडिकेट वालों को भाजपा की सरकार बंगाल की खाड़ी में डालने का काम करेगी। उन्होंने कहा, बंगाल में घुसपैठिए हमारे युवाओं की नौकरी खा रहे हैं, हमारे गरीबों का राशन खा रहे हैं। दीदी और भाइपो वोटबैंक के लिए घुसपैठिए को पालते हैं। मैं आज जमालपुर वालों से वादा करता हूं कि 5 तारीख के बाद पूरे बंगाल से एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर निकालने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

गृह मंत्री ने इस दौरान भाजपा की योजनाओं का जिक्र किया, उन्होंने कहा बंगाल में भाजपा सरकार के तहत महिलाओं को सरकारी बसों में यात्रा करने के लिए टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। गर्भवती महिलाओं ...

शेष पेज 4 पर...

भारतीय सेना किसी दल की नहीं, देश की है : जनरल नरवणे

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारतीय सेना हमेशा से अपनी बहादुरी और अनुशासन के लिए जानी जाती है। पिछले कुछ समय से सेना को राजनीति से जोड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी मुद्दे पर अब भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे ने कड़ा बयान दिया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि हमारी सेना पूरी तरह से अराजनीतिक है और हमेशा रहेगी। सेना का काम देश की रक्षा करना है, राजनीति करना नहीं। यह बयान उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है जो सेना का नाम राजनीति में घसीटना चाहते हैं। एक साक्षात्कार में पूर्व सेना प्रमुख ने सेना और राजनीति के बीच के बड़े अंतर को बहुत ही आसान शब्दों में समझाया। उन्होंने साफ कहा कि सेना सरकार के आदेशों का पालन करती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि सेना राजनीतिक हो गई है। जनरल नरवणे ने

उन सभी कोशिशों की आलोचना की जिनमें सेना को सियासी मामलों में खींचने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बल पूरी तरह से अराजनीतिक हैं और एक संस्था के रूप में वे कभी भी राजनीति का हिस्सा नहीं बनेंगे। इस सवाल का जवाब देते हुए पूर्व सेना प्रमुख ने 'चेन ऑफ कमांड' यानी आदेशों की श्रंखला का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि सेना में एक अनुशासन होता है जिसके तहत जूनियर अपने सीनियर का आदेश मानता है। एक सेना प्रमुख के ऊपर देश के रक्षा मंत्री होते हैं। अगर रक्षा मंत्री कोई आदेश देते हैं, तो सेना को उसे हर हाल में मानना होता है। रक्षा मंत्री का आदेश मानना सेना की ड्यूटी है। आदेश का पालन करने का मतलब यह नहीं है कि सेना किसी राजनीतिक दल की हो गई है। सेना हमेशा अराजनीतिक रहकर ही अपना काम करती है।

जनरल नरवणे ने पड़ोसी देश पाकिस्तान का सीधा नाम तो नहीं लिया लेकिन उसकी तरफ इशारा करते हुए एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश अगर अपने पड़ोसियों से इतना आगे निकल पाया है, तो उसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि हमारी सेना राजनीति से कोसों दूर है।

उन्होंने चेतावनी दी कि सेना को राजनीति में खींचने की कोशिशें देश के लिए बहुत खतरनाक हैं। अगर हमें विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते रहना है, तो सेना का अराजनीतिक बने रहना बहुत जरूरी है। पूर्व सेना प्रमुख ने अंत में कहा कि कुछ लोग बेवजह हर बात का मुद्दा बना लेते हैं, लेकिन सेना इससे घबराने वाली नहीं है।

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संपादकीय

डिग्री के बाद भी खाली हाथ

भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। यह बात अक्सर गर्व के साथ दोहराई जाती है कि देश की बड़ी आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है और यही भारत के विकास की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन जब यही युवा, खासकर शिक्षित युवा रोजगार के लिए भटकते नजर आते हैं, तब यह जनसांख्यिकीय लाभ एक कठिन सवाल बन कर सामने खड़ा हो जाता है। हाल ही में जारी भारत में कामकाज की स्थिति-2026 रपट ने इस जटिल वास्तविकता को ठोस तथ्यों के साथ सामने रखा है और देश के युवाओं की शिक्षा, रोजगार और श्रम बाजार से जुड़े कई अहम रुझानों को रेखांकित किया है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा जारी रपट केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि उस संकट का दस्तावेजीकरण है, जिसमें आज का शिक्षित युवा जूझ रहा है। उसके पास उपाधियां हैं, आकांक्षाएं हैं और सपने भी हैं, लेकिन अवसर सीमित हैं। पिछले चार दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का दायरा तेजी से बढ़ा है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी शिक्षा संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अनुसार, उच्च शिक्षा में नामांकन दर अब 28 फीसद तक पहुंच चुकी है और इसमें लड़कियों की भागीदारी खासतौर पर बढ़ी है। वहीं पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह वर्ष 2017 के 38 फीसद से घट कर वर्ष 2024 के अंत तक 34 फीसद रह गई है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि युवा अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं।

यह बदलाव सामाजिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इससे संकेत मिलता है कि शिक्षा अब समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंच रही है, लेकिन इस प्रगति के साथ एक गहरी विडंबना भी जुड़ी है। शिक्षा में प्रगति तो रही है, लेकिन रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहे हैं। रपट बताती है कि 20 से 29 वर्ष के 6.3 करोड़ स्नातकों में से लगभग 1.1 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। यह सचमुच बेहद निराशाजनक है कि ये युवा वर्षों की पढ़ाई के बाद भी रोजगार से वंचित हैं। उनको जो नौकरियां मिलती हैं, वह अक्सर अस्थायी, कम वेतन वाली या कौशल के अनुरूप नहीं होती। स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल सात फीसद युवाओं को ही स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। यह धारणा लंबे समय तक बनी रही कि शिक्षा ही बेरोजगारी से मुक्ति का रास्ता है। मगर आज स्थिति उलट दिखती है। तथ्य यही है कि 15 से 25 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर लगभग 40 फीसद है, जबकि 25 से 29 वर्ष के युवाओं में यह करीब 20 फीसद है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि शिक्षा और रोजगार के बीच का संबंध कमजोर हो गया है। डिग्री या उपाधि होने के बावजूद नौकरी नहीं मिलने से युवाओं में निराशा और असंतोष है। आज युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल बेरोजगारी नहीं, बल्कि अधूरा रोजगार भी है। बड़ी संख्या में ऐसे युवा काम कर रहे हैं, जो उनकी शिक्षा और कौशल के अनुरूप नहीं हैं। कई इंजीनियर वितरण का काम कर रहे हैं, कई स्नातक अस्थायी अनुबंधों पर निर्भर हैं। यह केवल व्यक्तिगत हानि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों की भी बबार्दी है। जिस शिक्षा पर इतना निवेश किया गया, वह अपेक्षित उत्पादकता में नहीं बदल पा रही है। अब यह भी साफ हो गया है कि केवल शिक्षा का विस्तार पर्याप्त नहीं है, उसकी गुणवत्ता और उपयोगिता भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। वर्ष 2010 से 2021 के बीच प्रति लाख युवाओं पर महाविद्यालयों की संख्या 29 से बढ़ कर 45 हो गई है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आइटीआइ) की संख्या में भी कई गुना वृद्धि हुई है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं। वहीं शिक्षकों की कमी भी बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कालेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। मगर इन संस्थानों से निकलने वाले युवाओं के पास वह कौशल नहीं है जिसकी मांग उद्योगों में है। यह स्थिति बताती है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था अभी भी डिग्री केंद्रित है, न कि कौशल केंद्रित। एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है जो वर्ष 2007 के आठ फीसद से बढ़ कर 2017 में पंद्रह फीसद हो गई है। भारत की अर्थव्यवस्था में बदलाव हो रहा है। मगर दूसरी ओर, युवा कृषि से हट कर सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों की ओर बढ़ रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी), मोटर वाहन और व्यावसायिक सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, जबकि पेशेवर क्षेत्र में जाति और स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव कम हुआ है। मगर इन क्षेत्रों में भी रोजगार सृजन की गति अपेक्षित नहीं है। एक ओर उच्च कौशल वाली नौकरियां सीमित हैं, दूसरी तरफ कम कौशल वाले कार्यों में अस्थिरता और कम वेतन की समस्या है। यह असंतुलन युवाओं के सामने एक कठिन स्थिति पैदा करता है। वे न तो पूरी तरह रोजगार पा रहे हैं, और न ही अपने कौशल का सही उपयोग कर पा रहे हैं। देश के पास इस समय सीमित वक्त है, जिसमें वह अपने इस जनसांख्यिकीय लाभ को आर्थिक विकास में बदल सकता है। कहा जा रहा है कि वर्ष 2030 के बाद कामकाजी आयु वर्ग की आबादी का अनुपात घटने लगेगा। इसका मतलब यह है कि आने वाले कुछ वर्षों में रोजगार सृजन को गति देना जरूरी होगा। यदि यह अवसर निकल गया, तो बड़ी संख्या में बेरोजगार और असंतुष्ट युवा सामाजिक और आर्थिक संकट का कारण बन सकते हैं। यह एक बड़ी चुनौती होगी। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल एक क्षेत्र में सुधार से संभव नहीं है। इसके लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। पहला, शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना होगा। पाठ्यक्रमों को अब वास्तविक जरूरतों के अनुरूप बनाना जरूरी है। दूसरा, कौशल विकास को प्राथमिकता देनी होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारनी होगी। तीसरा, रोजगार सृजन को नीति के केंद्र में रखना होगा। केवल विकास दर बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि रोजगार आधारित विकास की दिशा में कदम उठाने होंगे। चौथा, उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना होगा। युवाओं को केवल नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजक बनने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। पांचवां, क्षेत्रीय और सामाजिक असमानताओं को कम करने के लिए लक्षित नीतियां बनानी होंगी।

यह बदलाव सामाजिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इससे संकेत मिलता है कि शिक्षा अब समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंच रही है, लेकिन इस प्रगति के साथ एक गहरी विडंबना भी जुड़ी है। शिक्षा में प्रगति तो रही है, लेकिन रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहे हैं। रपट बताती है कि 20 से 29 वर्ष के 6.3 करोड़ स्नातकों में से लगभग 1.1 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। यह सचमुच बेहद निराशाजनक है कि ये युवा वर्षों की पढ़ाई के बाद भी रोजगार से वंचित हैं। उनको जो नौकरियां मिलती हैं, वह अक्सर अस्थायी, कम वेतन वाली या कौशल के अनुरूप नहीं होती। स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल सात फीसद युवाओं को ही स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। यह धारणा लंबे समय तक बनी रही कि शिक्षा ही बेरोजगारी से मुक्ति का रास्ता है। मगर आज स्थिति उलट दिखती है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण- ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है। यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है।

यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है।

चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है।

आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

लेखकः ललित गर्ग

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएं नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था।

आर्थिक पुनर्जागरण की जीवंत रेखा।

जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी। लॉजिस्टिक्स की दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है।

गंगा की धारा जब किसी पत्थर से टकराती है, तो वह उसे काटती नहीं, बल्कि उसे घिसते-घिसते अपने रास्ते की शक्ल में ढाल लेती है। उत्तर प्रदेश की नियति भी कुछ ऐसी ही रही है । इस भूमि ने सभ्यताएं जन्मी हैं, क्रांतियां बोई हैं, फिर भी एक दशक पहले तक एक विडंबना इसके माथे पर चिपकी रही कि यह राज्य, जो देश की आबादी का छठा हिस्सा समेटे है, विकास की दौड़ में अक्सर पिछली पंक्ति में ही खड़ा दिखाई पड़ा। इतिहास की यह विरोधाभासी विरासत अब एक नए अध्याय की दहलीज पर खड़ी है और उस दहलीज का नाम है गंगा एक्सप्रेसवे, जो यूपी सरकार के संकल्प के एक बड़े प्रतिमान के रूप में अब साकार रूप में है।

594 किलोमीटर मेरठ से प्रयागराजङ्घयह केवल एक सड़क की लंबाई नहीं है, बल्कि उस सोच की लंबाई है, जो मानती है कि किसी राज्य को बदलने के लिए पहले उसकी नसों में नई रक्त-संचार व्यवस्था बनानी पड़ती है। जब कोई जमीन पर इतनी बड़ी रेखा खींची जाती है, तो वह केवल भूगोल नहीं बदलती, वह उस भूगोल में जीने वाले लोगों की संभावनाओं का नक्शा बदल देती है। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए ऐसा ही एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप है, जिसे समझने के लिए केवल इंजीनियरिंग की नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दूरदर्शिता की भाषा जाननी होगी। उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाजार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलिया एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है।

जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी। लॉजिस्टिक्स की दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है। जब गंगा एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर बनते हैं, तो यह समीकरण बदलता है। माल तेज पहुंचता है, भंडारण की जरूरत घटती है, ट्रांसपोर्ट का समय कम होता है और पूरी सप्लाई चेन अधिक विश्वसनीय बन जाती है।

गंगा एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला एक ट्रक केवल माल नहीं ढोएगा, वह उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। लेकिन, असली रूपांतरण तब होगा जब एक्सप्रेसवे के किनारे एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र उगेगा। सरकार की योजना औद्योगिक नोड्स, वेयरहाउसिंग हब और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की है। यह योजना अगर सही नीयत और सही क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरी, तो उत्तर प्रदेश को एक नई ग्रोथ स्पाइन मिल सकती है। वह रीढ़, जिसके सहारे एक पूरा आर्थिक शरीर खड़ा होता है। टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए /व विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हरदोई, शाहजहांपुर, बदाये, संभल रायबरेली, उन्नाव, ये वे शहर हैं जो अब तक विकास की मुख्यधारा से किनारे पड़े थे। एक्सप्रेसवे की पहुंच उन्हें एक बड़े आर्थिक नेटवर्क से जोड़ेगी। किसानों की बात किए बिना यह विश्लेषण अधूरा है। किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं। कोल्ड चेन की कमी, खराब सड़कें और बाजार तक पहुंच की धीमी रफ्तार, ये तीन चीजें मिलकर किसान की उपज का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा। यदि इसके साथ-साथ एक्सप्रेसवे के किनारे कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-लॉजिस्टिक्स हब विकसित हों, तो किसान की तकदीर बदलने में देर नहीं लगेगी। यह विकास का वह बिंदु है जहां बुनियादी ढांचा सीधे मानवीय जीवन की गुणवत्ता से जुड़ता है।

एक्सप्रेसवे का एक और आयाम है जिसे अक्सर सार्वजनिक विमर्श में नजरअंदाज किया जाता है – रियल एस्टेट का रूपांतरण। जब भी किसी इलाके में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी आती है, जमीन की कीमतें बदलती हैं। नए आवासीय क्षेत्र उभरते हैं, लोग शहर के महंगे इलाकों को छोड़कर एक्सप्रेसवे के किनारे बसने लगते हैं। हालांकि इस प्रक्रिया में जमीन की सट्टेबाजी और असमान लाभ वितरण के खतरे भी हैं, जिनसे बचने के लिए सरकार को सक्रिय नीतिगत हस्तक्षेप करना होगा। रणनीतिक दृष्टि से भी यह एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण है। इसकी संरचना ऐसी बनाई गई है कि आपात स्थिति में इसे वायुसेना की एयरस्ट्रिप के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। यह विशेषता इसे केवल एक आर्थिक परियोजना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिसंपत्ति भी बनाती है।

निवेशकों का मनोविज्ञान भी इस संदर्भ में विचारणीय है। जब कोई राज्य इस पैमाने की परियोजना को समय पर, पारदर्शिता के साथ और कार्यकुशलता के साथ पूरा करता है, तो वह केवल एक सड़क नहीं बनाता, वह एक संदेश देता है कि यह राज्य अब गंभीर है। यहां शासन काम कर रहा है। यहां आपकी पूंजी सुरक्षित है और आपकी परियोजनाएं अटकेंगी नहीं। यह अमूर्त भरोसा बहुत ठोस परिणाम देता है। उत्तर प्रदेश, जो कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाता था, अब खुद को एक आधुनिक, निवेश-अनुकूल और महत्वाकांक्षी राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक है।

लेकिन यहां एक चेतावनी भी जरूरी है। बुनियादी ढांचा अपने आप में परिवर्तन नहीं लाता, वह केवल परिवर्तन की शर्तें बनाता है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां शानदार सड़कें बनीं, पुल उठे, बंदरगाह बने लेकिन उनके आस-पास का जीवन नहीं बदला, क्योंकि नीतिगत वातावरण उनके साथ नहीं बदला।

परिवर्तन तब होगा जब सड़क के साथ-साथ शासन के संकल्प धरातल पर दिखाई देंगे।। जब किसान को उचित मुआवजा मिलेगा, युवा को कौशल प्रशिक्षण मिलेगा, उद्यमी को त्वरित अनुमति मिलेगी और पर्यावरण का ध्यान रखा जाएगा। इन चुनौतियों के बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि गंगा एक्सप्रेसवे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच की अभिव्यक्ति है जो मानते हैं कि उत्तर प्रदेश अब केवल सबसे बड़े राज्य के अभिमान से नहीं, बल्कि सबसे तेज विकसित होते राज्य की वास्तविकता से पहचाना जाएगा। जब कोई सड़क बनती है, तो उस पर भविष्य की पदचापें भी अंकित होने लगती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे पर जो पहला ट्रक दौड़ेगा, जो पहली बस मेरठ से प्रयागराज जाएगी, जो पहला किसान अपनी सब्जी लेकर इस सड़क से गुजरेगा, वे सब इस परिवर्तन के पहले साक्षी होंगे। उनके लिए यह सड़क केवल सड़क नहीं होगी। यह एक वादे का पूरा होना होगा, उस वादे का, जो इस योगी सरकार से इस राज्य के करोड़ों लोगों ने मांगा था।

किसानों को अब व्हाट्सएप पर मिलेगा क्यूआर कोड आधारित जे–फॉर्म : नायब सिंह सैनी

कहा– सरकार ने खरीद प्रक्रिया को किया ऑनलाइन, बढ़ी पारदर्शिता

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में अगले सप्ताह से सभी किसानों को व्हाट्सएप के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित जे-फॉर्म भेजे जाएंगे, ताकि किसानों को ऋण सहित अन्य प्रकार की सुविधा लेने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को हरियाणा निवास चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले सीजन से किसान एप भी लॉन्च किया जाएगा, जिसमें किसानों को जे-फॉर्म, भुगतान की स्थिति, भूमि बुवाई एवं उपज सत्यापन की स्थिति, गेट पास शेड्यूलिंग (अगली सरसों फसल से प्रारंभ), भूमि सत्यापन की स्थिति तथा सभी सूचनाएं ह्यकिसान ई-खरीद एपह्ल में उपलब्ध होंगी। जिससे खरीद कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी। उन्होंने इस दौरान प्रदेश में अब तक हुई गेहूं खरीद का ब्यौरा देते हुए कहा कि रबी सीजन 2026-27 में प्रदेश की मंडियों में गेहूं की बंपर आवक हुई है। इसने पिछले चार साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सरकार ने खरीद प्रबंधों को लेकर पुख्ता इंतजाम किए, जिसके चलते प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और किसानों को समय पर भुगतान भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश की मंडियों में 21 हजार 44 करोड़ रुपये मूल्य की 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले 4 वर्षों में सर्वाधिक है। अकेले 11 अप्रैल को एक ही दिन में 7 लाख 71 हजार मीट्रिक टन गेहूं की रिकॉर्ड आवक हुई।

उन्होंने कहा कि अब तक 5 लाख 80 हजार किसान अपनी उपज लेकर मंडियों में पहुंच चुके हैं। हर किसान की पहचान डिजिटल गेट पास के

माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही 79 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूं का बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, जो लगभग 97 प्रतिशत है। प्रदेश का किसान तकनीक को तेजी से अपना रहा है और पारदर्शी व्यवस्था पर भरोसा जता रहा है। प्रदेश की मंडियों में 70 लाख 23 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद पूरी हो चुकी है, साथ ही प्रदेश की मंडियों से 34 लाख 56 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 अप्रैल से उठान प्रक्रिया में और तेजी आई है। प्रतिदिन साढ़े 3 लाख मीट्रिक टन का उठान हो रहा है। पिछले वर्ष से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि रबी सत्र 2025-26 में जहां कुल 72 लाख 89 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। वहीं, इस वर्ष अब तक 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के समय न डिजिटल व्यवस्था थी, न पारदर्शिता थी, न समय पर भुगतान होता था। किसानों को मंडियों में लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता था, कागजी टोकन बनते थे और भुगतान के लिए हफ्तों, कभी-कभी महीनों का इंतजार करना पड़ता था। वर्ष 2014 से अब तक फसल खरीद की प्रक्रिया में बड़ा सुधार हुआ है। इससे पहले, केवल गेहूं और धान की ही खरीद एम.एस.पी. पर होती थी। आज हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी फसलों की एम.एस.पी. पर खरीद होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर इस वर्ष 10 लाख 7 हजार 657 किसान पंजीकृत हैं। सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए ई-खरीद पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल गेट पास और एग्जिट पास की व्यवस्था लागू की है। इस सीजन में अब तक 13 लाख 47 हजार डिजिटल गेट पास जारी किए गए हैं। फसल खरीद सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने प्रदेश की सभी 416 मंडियों व 281 खरीद केन्द्रों की जियो फेंसिंग की है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि मंडी से बाहर किसी अज्ञात स्थान पर कोई भी फर्जी खरीद संभव नहीं है। इसके साथ-साथ सीसीटीवी से खरीद प्रक्रिया की निगरानी हो रही है। प्रदेश की मंडियों में 932 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने आढ़ती की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनका कमीशन 33 रुपये 75 पैसे प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इसके अलावा इस वर्ष बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की फसल को प्रभावित किया है। लेकिन सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गुणवत्ता मानकों में राहत दी। पहले जहां चमक में कमी बिल्कुल स्वीकार नहीं थी।

संक्षिप्त समाचार

पात्र लाभार्थी बस स्टैंड से प्राप्त करें हैप्पी कार्ड : जितेंद्र यादव

पलवल, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा रोडवेज पलवल के महाप्रबंधक जितेंद्र यादव ने बताया कि जिले में हैप्पी कार्ड उपलब्ध हो चुके हैं, जिन पात्र लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर हैप्पी कार्ड योजना से संबंधित संदेश प्राप्त हुआ है, वे अपने-अपने हैप्पी कार्ड पलवल बस स्टैंड से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अपील की कि कार्ड प्राप्त करने के लिए लाभार्थी अपने आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर अवश्य आएं, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित हैप्पी कार्ड योजना, जिसे हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के नाम से जाना जाता है, का मुख्य उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सस्ती और सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को हरियाणा रोडवेज की बसों में एक वर्ष में 1000 किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा करने की सुविधा प्रदान की जाती है।

योजना के अंतर्गत वे परिवार पात्र हैं जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये या उससे कम है। लाभार्थियों को एक स्मार्ट कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जारी किया जाता है, जिसे उपयोग से पहले सक्रिय (एक्टिवेट) कराना आवश्यक होता है। महाप्रबंधक ने बताया कि योजना में आवेदन के लिए परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र (1 लाख रुपये से कम) तथा मोबाइल नंबर आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना अंत्योदय परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और समय पर अपने हैप्पी कार्ड प्राप्त कर परिवहन सुविधा का लाभ लें।

नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, नोडल अधिकारी और केंद्र अधीक्षक नियुक्त

पलवल, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जिले में रविवार 3 मई को आयोजित कराई जाने वाली नीट परीक्षा 2026 को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट है। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है तथा उन्हें परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। उपायुक्त द्वारा जारी आदेशों के अनुसार जिले में कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर केंद्र अधीक्षकों की भी नियुक्ति की गई है।

अतिरिक्त उपायुक्त पलवल को नीट परीक्षा 2026 के लिए ओवरऑल नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपायुक्त की ओर से जारी आदेश में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पलवल व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहरवां के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर शुगर मिल पलवल द्विजा, जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर व डा. बी.आर. अंबेडकर राजकीय कॉलेज पलवल के लिए उपमंडल अधिकारी पलवल भूपेंद्र सिंह,पीएम श्री जी.एस.एस.एस. पलवल व वीरांगना झलकारी बाई राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल के लिए जिला नगर आयुक्त पलवल मनीषा शर्मा, राजकीय पॉलिटेक्निक, मंडकोला व शहीद नायक राजेंद्र सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथीन के लिए उपमंडल अधिकारी (नागरिक), हथीन हरि राम, राजकीय कॉलेज होडल व पीएम श्री जी.जी.एस.एस.एस. होडल के लिए उपमंडल अधिकारी (नागरिक) होडल बलीना को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपायुक्त ने सभी नोडल अधिकारियों व केंद्र अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें ताकि नीट परीक्षा के दौरान जिले में किसी प्रकार की अव्यवस्था या परेशानी न हो और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

आसाराम–नारायण साईं प्रकरण के गवाह महेंद्र से 42 लाख की रिकवरी

पानीपत, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आसाराम और नारायण साईं प्रकरण में मुख्य गवाह रहे महेंद्र चावला के कब्जे से पुलिस ने 42 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। बाकी की रकम उनके दूसरे भतीजे के पास है। पुलिस भतीजे की तलाश में दबिश दे रही है। रिमांड का समय पुरा होने पर महेंद्र चावला को शनिवार को अदालत के सामने पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने 18 अप्रैल को महेंद्र चावला उनके भाई देवेंद्र चावला और भतीजे राम को गिरफ्तार किया था। तीनों के खिलाफ सेक्टर-12 निवासी भगत सिंह ने चांदनीबाग थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। आरोप है कि महेंद्र चावला ने सनौली गांव के पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा के साथ चल रहे केस में गवाही से पलटने के नाम पर 70 लाख रुपये लिए थे। बाद में 80 लाख रुपये की मांग की गई थी। पुलिस ने महेंद्र चावला को पहले तीन दिन के रिमांड पर लिया था। महेंद्र के कब्जे से 24 लाख रुपये बरामद किए गए थे। वीरवार को तीनों को दोबारा फिर से अदालत के सामने पेश किया गया था। देवेंद्र चावला व राम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। वहीं, महेंद्र चावला को दोबारा फिर से दो दिन के रिमांड पर लिया था। दो दिन के रिमांड के दौरान उसके कब्जे से करीब 18 लाख रुपये और बरामद हुए। अभी तक महेंद्र चावला व उनके परिजनों से पुलिस 42 लाख रुपये की नकदी बरामद कर चुकी है। वहीं, पूछताछ में पता चला है कि बाकी की नकदी महेंद्र चावला के दूसरे भाई के बेटे के पास है। पुलिस अब उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। शनिवार को महेंद्र चावला को अदालत के सामने पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। महेंद्र चावला व उसके परिजनों से अब तक 42 लाख रुपये की नकदी बरामद हो चुकी है। बाकी की नकदी उसके दूसरे भतीजे के पास होने की जानकारी मिल रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। महेंद्र चावला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कार में मिला पंजाब के इंस्पेक्टर का शव, फ्रंट की सीटों के बीच फंसी थी बॉडी

सिरसा, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के सिरसा जिले से एक सनसनीखेज खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां पंजाब के एक्साइज डिपार्टमेंट के इंस्पेक्टर का शव कार में पड़ा मिला। यह कार डबवाली के पास अमृतसर-जामनगर भारतमाला रोड पर हाईवे किनारे खड़ी थी। जब काफी देर से कार में कोई हलचल नहीं हुई तो आसपास के लोगों ने मौके पर जाकर देखा तो इंस्पेक्टर फ्रंट की दोनों सीटों के बीच फंसे हुए थे। सीट बेल्ट पेट पर कसी हुई थी। पास में ही सरकारी पिस्टल भी पड़ी थी। सूचना मिलते ही डबवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मोबाइल नंबर, आईडी कार्ड के आधार पर पुलिस ने परिवार को सूचना दी। उधर सवाल उठता है कि तैनाती स्थल से 200 किलोमीटर दूर इंस्पेक्टर यहां कैसे पहुंचे। पंजाब के मोगा में ड्यूटी पर तैनात थे। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही इंस्पेक्टर की पिस्टल को भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कॉल डिटेल आदि से पता किया जा रहा है कि इंस्पेक्टर यहां कैसे पहुंचे। विभाग से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

उपायुक्त ने स्व–गणना अभियान में बढ़–चढकर भागीदारी करने का किया आह्वान

कहा–जिले में 30 अप्रैल तक जारी है स्व–गणना प्रक्रिया

पलवल, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/लक्ष्मन शर्मा। जिला में जनगणना 2027 के अंतर्गत से स्व-गणना प्रक्रिया आगामी बृहस्पतिवार 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिलावासियों से स्व-गणना अभियान में बढ़चढकर भागीदारी करने का आह्वान करते हुए कहा कि 2027 की जनगणना पूर्ण रूप से डिजीटल होगी।

उन्होंने बताया कि जिलावासी 30 अप्रैल 2026 तक निर्धारित पोर्टल https:// se.census.gov.in/ के माध्यम से स्वयं अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है। इससे समय की बचत के साथ-साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि नागरिक स्व-गणना के लिए 16 भाषाओं में से अपनी पसंद की भाषा चुन सकते हैं। फार्म में कुल 33 सवालों के जवाब देने होंगे।

उपायुक्त ने कहा कि जनगणना विभाग की ओर से दी गई यह सुविधा नागरिकों को डिजिटल माध्यम से अपने विवरण स्वयं दर्ज करने का अवसर देती है, जिससे जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी बनती है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की स्वयं-गणना निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से पूर्ण करवाएं। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी आमजन के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी और इससे जनगणना अभियान की सफलता सुनिश्चित होगी। उन्होंने अपील की कि सभी कर्मचारी इस डिजिटल पहल में बढ़-चढकर हिस्सा लें और समय रहते अपनी स्वयं-गणना पूर्ण करें, ताकि जिले में अधिकतम भागीदारी और सटीक आंकड़ों का संकलन हो सके। **जिला में 1 से 30 मई तक चलेगा मकान सूचीकरण का कार्य :** उपायुक्त ने बताया कि जिला में जनगणना के तहत मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा। यह कार्य जनगणना की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, जिसके माध्यम से प्रत्येक भवन, मकान एवं परिवार से संबंधित आधारभूत आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। उन्होंने आमजन से अपील कि वे जनगणना कर्मियों का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी देने से बचें ताकि जिला पलवल में जनगणना का यह महत्वपूर्ण कार्य प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

स्वाति मालीवाल का आम आदमी पार्टी से इस्तीफा

कहा– मैं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करके भाजपा में आई

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक इंटरव्यू में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि मैंने आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गई हूं। मालीवाल ने रचनात्मक राजनीति करने के इच्छुक सभी लोगों से भाजपा में शामिल होने की अपील की।

- अगर कोई गद्दार है, तो वह अरविंद केजरीवाल है : स्वाति मालीवाल
- आम आदमी पार्टी पंजाब को रिमोट से नियंत्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि वह 2006 से अरविंद केजरीवाल के साथ काम कर रही थीं। उन्होंने हर आंदोलन में उनका साथ दिया। मालीवाल ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने उनके घर में एक गुंडे से पिटाई करवाई। आवाज उठाने पर उन्हें धमकाया गया। उन पर एफआईआर वापस लेने का बहुत दबाव डाला गया। पार्टी ने उन्हें दो साल तक संसद में बोलने का अवसर नहीं दिया। इसे उन्होंने बहुत शर्मनाक बताया। उन्होंने केजरीवाल को महिला-विरोधी भी कहा। मालीवाल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी पंजाब को रिमोट से नियंत्रित कर रही है। इससे पंजाब उनका निजी एटीएम बन गया है। पंजाब में रेत खनन और नशीली पदार्थों का इस्तेमाल चरम पर है। जो नेता आवाज उठाते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है। केजरीवाल भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के लिए जाने जाते हैं।

मालीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया। मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के विकास के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। इनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' और नक्सलवाद का खात्मा शामिल है। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण बिल पेश करने जैसे फैसलों की भी सराहना की। मालीवाल ने दोहराया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। भाजपा में शामिल होने पर राज्यसभा

सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि पूरा देश जानता है कि स्वाति मालीवाल किसी से नहीं डरतीं है। देश की कोई भी एजेंसी मुझे डरा नहीं सकती। अब तक कोई भी अच्छा इंसान अरविंद केजरीवाल के साथ नहीं रहा है। वह किसी पर आरोप कैसे लगा सकते हैं, जब वह खुद भ्रष्टाचार में शामिल हैं? पूरा देश जानता है कि दो साल पहले मेरे साथ क्या हुआ था, जिस तरह से मुझे पीटा गया था, जिसकी वजह से उन्हें दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। वे इसलिए हारे क्योंकि दिल्ली की जनता मुझसे प्यार करती है और महिलाओं के प्रति किसी भी तरह के अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी की इस हालत के लिए पार्टी के बाहर का कोई भी व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है। कोई भी अरविंद केजरीवाल के साथ काम नहीं करना चाहता है। अरविंद केजरीवाल के बारे में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि अगर कोई गद्दार है, तो वह अरविंद केजरीवाल हैं।

जब उन्होंने अपना आंदोलन शुरू किया था, तो वह फटी हुई पैंट पहनते थे, दो रुपये का पेन इस्तेमाल करते थे, और एक बिल्कुल खस्ताहाल कार में घूमते थे। हम सब उनसे प्रेरित थे, यह सोचकर कि यह आदमी देश में बदलाव लाएगा। आंदोलन के दौरान, उन्होंने पूरे देश को इतने बड़े-बड़े, मीठे सपने दिखाए, और देश उनसे प्रभावित हुआ।

लेकिन उन्होंने किया क्या? सत्ता में आते ही, उन्होंने सौ करोड़ का घर बनवा लिया। उन्होंने उसमें एक बार बनवाया, करोड़ों के कालीन लगवाए, और लाखों-करोड़ों का फ्रिज खरीदा। उनका सोफा इतना आलीशान है। और अब, जब दिल्ली की जनता ने उन्हें हरा दिया, तो वह पंजाब चले गए हैं।

चलती बस से गिरी कंपनी की महिला कर्मी की मौत

गुड़गांव, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। ओल्ड राव होटल के सामने फ्लाईओवर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया। एक निजी कंपनी की बस से गिरकर महिला कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान पलासोली निवासी शिवानी के रूप में हुई है। परिजनों ने बस चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। मृतका के पति धीरज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी शिवानी बिलासपुर स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत थी। वह रोजाना की तरह कंपनी की बस से ही घर से ड्यूटी पर आती-जाती थी। जब बस ओल्ड राव होटल के पास फ्लाईओवर के समीप पहुंची, तो बस चालक ने लापरवाही और तेज रफ्तार से बस चलाते हुए अचानक खिड़की खोल दी।

बस की गति और झटके के कारण शिवानी अपना संतुलन खो बैठी और सीधे सड़क पर नीचे गिर गई। सड़क पर गिरने के कारण शिवानी को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही शिवानी के परिवार में मातम छा गया। पलासोली गांव में शोक की लहर है। पति धीरज का आरोप है कि यदि बस चालक सावधानी बरतता और चलती बस में लापरवाही से खिड़की न खोलता, तो उनकी पत्नी की जान बच सकती थी। जांच अधिकारी ने बताया कि पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रंजिश में रिटायर्ड फौजी व उसकी पत्नी पर हमला

गुड़गांव, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। खेडला गांव में पुरानी रंजिश के चलते रिटायर्ड फौजी और उनकी पत्नी पर जानलेवा किया गया। आरोपियों ने 73 वर्षीय बुजुर्ग को घर से बाहर खींचकर लोहे की रॉड और डंडों से लहूलुहान कर दिया। बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी को भी बेरहमी से पीटा गया। थाना सदर सोहना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत शुक्रवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लक्ष्मण विहार निवासी 73 वर्षीय वेद किरण ने शिकायत में बताया कि वह फौज से सेवानिवृत्त हैं। 22 अप्रैल की सुबह करीब साढ़े सात बजे जब वह अपने पैतृक गांव खेडला पहुंचे, तो वहां पहले से ही घात लगाकर बैठे आरोपियों ने उन्हें घर से बाहर सड़क पर खींच लिया। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से उनके सिर पर लोहे की नुकीली रॉड से वार किया, जिससे उनका सिर फट गया। जब उनकी पत्नी सुरेश देवी उन्हें बचाने आईं, तो आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जमीन पर गिराकर तब तक लात-घूसों और डंडों से पीटा जब तक कि वे दोनों बेहोश नहीं हो गए। शोर मचाने पर हमलावरों ने उनका मुंह तक दबा दिया ताकि मदद के लिए कोई न आ सके। होश आने पर पीड़ितों ने पुलिस हेल्पलाइन पर सूचना दी, जिसके बाद उनके परिजनों ने उन्हें नागरिक अस्पताल गुरुग्राम में भर्ती कराया। अस्पताल से मिली मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, बुजुर्ग वेदकिरण के शरीर पर तीन गंभीर चोटें मिली हैं, जिनमें सिर पर लगा घाव किसी नुकीले हथियार का है। वहीं उनकी पत्नी सुरेश देवी के शरीर पर भी चार जगह डंडों के प्रहार के निशान पाए गए हैं।

दर्जनों घर जलकर राख, तबाही के मंजर के बीच पीड़ितों के सहारा बने महताब अहमद

मुआवजे और राहत का दिलाया भरोसा

नूंह, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/जुबेर खान। जिले के बड़े गांव मेवली में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। आग की लपटों ने देखते ही देखते दर्जनों घरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घरों में रखा सामान, अनाज और भूसा जलकर पूरी तरह खाक हो गया। इस दर्दनाक हादसे में कई परिवार बेघर हो गए और उनके सामने जीवन यापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के चलते काबू पाना मुश्किल हो गया। बाद में दमकल विभाग की मदद से

आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था।

घटना की सूचना मिलते ही पीसीसी सदस्य चौधरी महताब अहमद मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द सुना और उन्हें ढांढस बंधाया।उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संकट की घड़ी में कोई भी परिवार अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासन से बात कर पीड़ितों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिलाने की मांग की, ताकि प्रभावित परिवार अपने जीवन को दोबारा पटरी पर ला सकें।

चौधरी महताब अहमद ने कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं पूरे समाज को झकझोर देती हैं और ऐसे समय में सभी को एकजुट होकर पीड़ितों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने सामाजिक संगठनों और सक्षम लोगों से भी आगे आकर सहायता करने की अपील की।गांव में इस हादसे के बाद गहरा दुख और मायूसी का माहौल है, लेकिन साथ ही लोगों की एकजुटता भी देखने को मिल रही है।

ग्रामीण एक-दूसरे की मदद में जुटे हुए हैं और हर कोई अपने स्तर पर पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। पूरे क्षेत्र की संवेदनाएं इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ हैं और सभी उनके जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौटने की कामना कर रहे हैं।

हमारे सांसदों को तोड़ना बीजेपी के डर का प्रतीक : अनुराग ढांडा

रोहतक, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आम आदमी पार्टी के भीतर मची राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। राघव चड्ढा और अन्य राज्यसभा सांसदों के पाला बदलने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ढांडा ने इसे भाजपा की हताशा और डर करार दिया।

रोहतक में मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा अब पूरी तरह से आप के बढ़ते प्रभाव से डर गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केवल उनके सांसदों को तोड़ने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी पार्टी की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। ढांडा ने दावा किया कि मोदी सरकार ने गुजरात में आप के आधिकारिक फेसबुक और इंस्टाग्राम पेज बंद करवा दिए हैं।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यही लोकतंत्र है, क्या किसी

लोकतांत्रिक देश में किसी राजनीतिक दल के कम्युनिकेशन सिस्टम को इस तरह निशाना बनाया जा सकता है। यह गुजरात में आप की लोकप्रियता को देखकर भाजपा बौखला गई है।

अनुराग ढांडा ने केंद्र सरकार और भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी इन हथकंडों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांसदों को डरा-धमकार या प्रलोभन देकर तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और जनता इस लोकतंत्र विरोधी व्यवहार का जवाब देगी।

होड़ल में सत्यजय टाईम्स हिन्दी दैनिक
समाचार पत्र प्राप्त करने एवं समाचार, विज्ञापन बेदखली, जमीन-जायजाद संबंधित, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, नगर परिषद संबधी सभी प्रकार के सस्ते रेट पर विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र -
अमित अग्रवाल
+919254588483, +9197282 84058

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

वसु मित्र सत्यार्थी को किया सम्मानित

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। समाज में मानवता और साहस की प्रेरणादायक मिसाल पेश करने वाले वसु मित्र सत्यार्थी को एक विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम समस्त ग्लोबल पंजाबी जागृति सोसाइटी एवं सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया, जहां उन्हें शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी.आर. नरूला ने बताया कि हाल ही में सत्यार्थी ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए नीलम फ्लाईओवर से रेलवे लाइन पर कूदकर आत्महत्या का प्रयास कर रही एक महिला को सुरक्षित बचाया था।

उन्होंने कहा कि किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा मानव धर्म है और सत्यार्थी का यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर सरदार देवेंद्र सिंह, जो स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार और मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रोड सेफ्टी कमेटी के सदस्य भी हैं, ने कहा कि सड़क पर या किसी भी संकट की स्थिति में लोगों की मदद करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने सत्यार्थी के साहस को समाज के लिए उदाहरण बताया। वहीं अनिल कुमार भाटिया ने भी नागरिकों से अपील की कि वे आपात स्थितियों में आगे आकर मदद करें और सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं। कार्यक्रम में एस.के. सचदेवा, मिगलानी, ए.के. भाटिया, राज भांबरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में वसु मित्र सत्यार्थी के साहस और मानवता के जज्बे को सलाम किया।

सीता नवमी का भव्य आयोजन, भक्ति और उत्साह से गूंजा परिसर

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। इस्कॉन मंदिर फरीदाबाद में माता सीता के पावन प्राकट्य दिवस सीता नवमी को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर दिनभर भक्ति रस में डूबा रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। माता सीता को भगवान राम की नित्य संगिनी और साक्षात लक्ष्मी का अवतार माना जाता है। मिथिला में धरती से प्रकट होने के कारण उन्हें

भूमिजा कहा जाता है। उनकी जीवन गाथा त्याग, सेवा, धैर्य और अटूट भक्ति का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 4:30 बजे मंगल आरती से हुई। इसके बाद सुबह 8 बजे से सीता-राम की लीलाओं पर आधारित कथा और कीर्तन का आयोजन किया गया। प्रातः 11:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्री सीता-राम का पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद) से भव्य महा-अभिषेक किया गया। दोपहर 12 बजे भोग अर्पण के पश्चात कीर्तन और प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर अध्यक्ष गोपेश्वर दास ने कहा कि माता सीता भक्ति, सहनशीलता और सेवा का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने बताया कि सीता नवमी के माध्यम से श्रद्धालु उनके गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद की शिक्षाओं का भी स्मरण किया गया, जिनके अनुसार माता सीता साक्षात लक्ष्मी हैं और उनकी कृपा के बिना भगवान राम तक पहुँचना संभव नहीं है। पूरे दिन मंदिर परिसर को सुंदर फूलों से सजाया गया और महामंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। फरीदाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने परिवार और समाज में शांति, सद्भाव और भक्ति की कामना की।

पुषप ने यू-20 नेशनल कुश्ती में जीता स्वर्ण

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। यू-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल 61 किलोग्राम वर्ग में फरीदाबाद के उभरते पहलवान पुषप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। फाइनल मुकाबले में पुषप ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर

गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस मुकाबले में उनकी तकनीक और आत्मविश्वास देखने लायक था। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के पहलवान मुरमत को रजत पदक प्राप्त हुआ, जबकि चंडीगढ़ के निखिल दलाल और एसएससीबी के आरू ने कांस्य पदक हासिल किया। देशभर से आए पहलवानों ने इस प्रतियोगिता में उच्च स्तर की कुश्ती का प्रदर्शन किया, लेकिन फरीदाबाद के पुषप ने अपने खेल से सभी को प्रभावित करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस जीत के बाद फरीदाबाद में खुशी की लहर है और खेल प्रेमियों ने पुषप के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी यह सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बन रही है।

फरार बाप-बेटा गिरफ्तार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। फरीदाबाद पुलिस ने हत्या के एक पुराने मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10-12 साल से फरार चल रहे बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम ने यह कार्रवाई करते हुए आरोपी लाल सिंह और उसके बेटे कृष्ण उर्फ कारे को काबू किया है, जो गांव छपरौला, थाना सदर पलवल के निवासी हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 21 जुलाई 2012 को थाना शहर बल्लभगढ़ क्षेत्र की चावला कॉलोनी में बिजेंद्र सरपंच की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में वर्ष 2012 में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था और अदालत में चालान पेश किया गया था, लेकिन जमानत मिलने के बाद से ही दोनों फरार हो गए थे। अदालत द्वारा लाल सिंह को 6 अक्टूबर 2014 और कृष्ण उर्फ कारे को 5 जुलाई 2016 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों आरोपी पिछले कई वर्षों से राजस्थान, मथुरा, वृंदावन और पलवल जैसे क्षेत्रों में लगातार ठिकाने बदलते रहे और अपनी पहचान छुपाकर कानून से बचते रहे। आखिरकार क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम ने तकनीकी सहायता और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पलवल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। फरीदाबाद पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दो चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। फरीदाबाद क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने सेक्टर-75 स्थित एक घर में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप और सचिन, निवासी गांव पाडियावाली, जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, सेक्टर-75 निवासी प्रदीप ने थाना बीपीटीपी में शिकायत दी थी कि 2 अप्रैल को वह अपने परिवार के साथ सेक्टर-8 स्थित अपने दूसरे घर चला गया था।

जब वह वापस लौटा तो पाया कि अज्ञात व्यक्ति उसके घर से आभूषण और 4500 रुपये नकद चोरी कर ले गए हैं। इस संबंध में थाना बीपीटीपी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सामने आया कि दोनों आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं और शिकायतकर्ता के घर के पीछे पेंटिंग का काम कर रहे थे। घटना के दिन जब परिवार घर पर नहीं था, तो आरोपी सचिन ने बाथरूम में लगे एग्जॉस्ट को तोड़कर घर में प्रवेश किया और अंदर से दरवाजा खोलकर संदीप को अंदर बुला लिया। इसके बाद दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

ऑनलाइन ठगी का मास्टरमाइंड नेटवर्क बेनकाब, 5 आरोपी गिरफ्तार

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर करते थे ठगी

हिसार, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े साइबर गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। साइबर थाना हिसार की टीम ने कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन और एएसपी मयंक मुदगिल के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना हिसार की टीम को यह बड़ी सफलता मिली है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में पंजाब, राजस्थान और हैदराबाद के रहने वाले लोग शामिल हैं, जो मिलकर देशभर में ठगी का नेटवर्क चला रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए लोगों को फर्जी निवेश योजना में फंसाया। खुद को म्यूचुअल फंड कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उन्होंने एक फर्जी मोबाइल ऐप तैयार किया, जिसमें निवेश पर भारी मुनाफा दिखाकर लोगों को झांसे में लिया जाता था।

हिसार के बरवाला निवासी एक युवक से इस गिरोह ने करीब 29 लाख रुपये की ठगी की। आरोपी ऐप में फर्जी बैलेंस दिखाते रहे और जब पीड़ित ने पैसे निकालने की कोशिश की तो उससे और पैसे की मांग की गई। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक खातों का विश्लेषण किया, जिसमें सामने आया कि ठगी की रकम अलग-अलग खातों के जरिए एक फर्म के खाते में ट्रांसफर की जा रही थी। इस मामले में फरीदाबाद निवासी एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 18 मोबाइल फोन, 33 पासबुक और चेकबुक, 22 एटीएम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया है। ये सभी उपकरण साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे थे। आरोपी फर्जी बैंक खाते खुलवाकर या खरीदकर उनमें ठगी की रकम जमा करवाते थे और बाद में अलग-अलग माध्यमों से निकाल लेते थे। मामले की गहन जांच जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। वही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सोशल मीडिया या व्हाट्सएप पर मिलने वाले किसी भी निवेश प्रस्ताव से सावधान रहें और किसी भी अनजान लिंक या ऐप को डाउनलोड करने से बचें।फिलहाल, पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने में जुटी हुई है।

गली में खेल रही मासूम बच्ची को डिलीवरी बॉय ने कुचला

गुड़गांव, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सेक्टर-22बी में ऑनलाइन डिलीवरी पार्टनर जेप्टो के एक डिलीवरी बॉय की भीषण लापरवाही सामने आई है। तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक स्कूटर ने घर के बाहर खेल रही साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची को टक्कर मारते हुए स्कूटर का टायर उसकी गर्दन के ऊपर से गुजर गया। इस हादसे में बच्ची के सिर में दो फ्रैक्चर आए हैं और वह कई दिनों तक आईसीयू में जिंदगी और मौत के बीच झूलती रही। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आशुतोष चुघ ने बताया कि उनकी 3.5 वर्षीय बेटी अनिका 13 अप्रैल 2026 की शाम को घर के बाहर खेल रही थी। तभी दिल्ली नंबर के एक इलेक्ट्रिक स्कूटर पर सवार जेप्टो डिलीवरी बॉय बेहद तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आया और बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बच्ची के शरीर के ऊपरी हिस्से और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद बच्ची को पालम विहार के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची के सिर की हड्डी में दो जगह फ्रैक्चर हैं और गर्दन, पैर व कंधों पर गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। दो दिन आईसीयू में रहने और पांच दिन अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उसे डिस्चार्ज तो कर दिया गया है, लेकिन पिता का कहना है कि उसे अगले तीन से चार महीनों तक भारी दवाइयों पर रहना होगा। घटना की सूचना 13 अप्रैल को ही अस्पताल से पुलिस को मिल गई थी, लेकिन बच्ची की हालत बेहद नाजुक होने के कारण बयान दर्ज नहीं हो सके थे। 21 अप्रैल को पिता द्वारा औपचारिक शिकायत देने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। गोल्फ कोर्स रोड पर एक तेज रफ्तार कार द्वारा राष्ट्रीय पक्षी मोर को कुचलने का मामला सामने आया है। सेक्टर-42 स्थित डीएलएफ मैग्नोलियास क्लब के पास हुई इस दुर्घटना में मोर की मौके पर ही मौत हो गई।

स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए आगे आएं नागरिक: निगमायुक्त

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने शहरवासियों से स्वच्छ सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर रैंकिंग दिलाने के लिए नागरिकों का सहयोग बेहद आवश्यक है।

निगमायुक्त ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत जारी फीडबैक फॉर्म को भरना बेहद महत्वपूर्ण है। नागरिकों का एक-एक फीडबैक शहर की रैंकिंग को सीधे प्रभावित करता है और फरीदाबाद को देश के शीर्ष स्वच्छ शहरों में शामिल करने में मदद करता है। उन्होंने शहरवासियों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपने सुझाव व अनुभव फीडबैक के माध्यम से साझा करें। इससे नगर निगम को अपनी सेवाओं में सुधार करने और बेहतर योजनाएं बनाने में सहायता मिलेगी।

धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि नगर निगम लगातार शहर को स्वच्छ, हरित और रहने योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहा है। सफाई व्यवस्था को मजबूत करना और नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार फरीदाबाद स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन करेगा, बशर्ते नागरिक सक्रिय भागीदारी निभाएं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि सरकार द्वारा जारी फीडबैक फॉर्म के माध्यम से नागरिक अपने सुझाव दे सकते हैं।

दहेज और झूठे आरोपों से तंग बुजुर्ग ने किया सुसाइड

रोहतक, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रोहतक के सुनारिया गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। यहां एक व्यक्ति ने सुसाइड नोट छोड़कर जहर निगलकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा है उसमें परिवार पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार मृतक गांव सुनारिया निवासी प्रीतम है, जो खेतीबाड़ी करने का काम करता था। आरोप है कि उसके बड़े बेटे अमित की पत्नी सविता और उसके मायके वाले प्रीतम को लगातार परेशान कर रहे थे। कभी-कभी दहेज मांगने जैसे आरोप लगाए जाते थे। उसने बेटे ने बताया कि सविता ने उसके पिता प्रीतम पर दुष्कर्म जैसा गंभीर आरोप भी लगाया, जिससे उन्हें बेइज्जती महसूस हुई। इसी के चलते प्रीतम ने एक सुसाइड नोट छोड़कर जान दे दी। वहीं घटना के बाद शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर शिकायत पर कार्रवाई कर रही है।

एचसीएस परीक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, डीसीपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली एचसीएस एवं अन्य संबद्ध सेवाएं परीक्षा-2025 के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह सतर्क है। यह परीक्षा 26 अप्रैल को जिले के लगभग 80 परीक्षा केंद्रों पर दो सत्रों में आयोजित की जाएगी।

इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने 25 अप्रैल को बल्लभगढ़ जोन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेक्टर-8 स्थित परीक्षा केंद्र, वायएमसीए कॉलेज, डीसी मॉडल पब्लिक स्कूल और ऊंचा गांव पब्लिक स्कूल सहित कई केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था और ड्यूटी प्रबंधन का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित थाना प्रभारियों, ड्यूटी मजिस्ट्रेट और स्कूल प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रतीक अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए और अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी थाना प्रबंधक अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करें, कानून-व्यवस्था बनाए रखें और ट्रैफिक संचालन को प्रभावी तरीके से संभालें। फरीदाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह मुस्तैदी के साथ लागू की जाएंगी।

भीषण आग से 12 छप्पर पूरी तरह जलकर राख, गांव में मचा हाहाकार

यमुनानगर, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। यमुनानगर जिले के मोहिद्दीनपुर गांव में भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। इस आगजनी की घटना में करीब 12 छप्पर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि एक पक्का घर भी इसकी चपेट में आ गया। ग्रामीणों के अनुसार इस हादसे में लगभग 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है, जिसमें मशीने, पंखे और कई कीमती घरेलू सामान जलकर खाक हो गए। बताया जा रहा है कि गांव के पीछे स्थित जंगल में पहले आग लगी थी और वहीं से उठी चिंगारियां तेज हवा के चलते छप्परों तक पहुंच गईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण

कर लिया और कई परिवारों का आशियाना पलभर में जल गया। ग्रामीणों ने अपनी तरफ से आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सबसे बड़ी लापरवाही दमकल विभाग की सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि दमकल विभाग के कर्मचारी आधी आग बुझाकर ही मौके से लौट गए, जिसके बाद आग ने दोबारा फैलकर और ज्यादा नुकसान कर दिया। करीब 4 घंटे बीत जाने के बाद भी आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। घटना की सूचना मिलते ही SDRF और छछरौली पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते पूरी मुस्तैदी से कार्रवाई की जाती, तो इतना बड़ा नुकसान टाला जा सकता था। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन की तैयारियों और आपातकालीन सेवाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल राहत कार्य जारी है, और प्रशासन नुकसान का आकलन करने में जुटा है। प्रभावित परिवारों को मदद कब तक मिलेगी, यह भी एक बड़ा सवाल बना हुआ है।

बच्चों के लिए रंगमंचीय वर्कशॉप का आयोजन

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। फरीदाबाद की प्रमुख नाट्य संस्था मुखा मुखम मंच द्वारा बच्चों के लिए एक विशेष रंगमंचीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष ललित गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वर्कशॉप नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, दिल्ली के सहयोग से 1 मई से 30 मई तक आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला सेक्टर-49 स्थित सैनिक कॉलोनी में रोशनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रांगण में आयोजित होगी, जहां बच्चों को रंगमंच की बारीकियां सिखाई जाएंगी। संस्था के निदेशक सुंदरलाल छाबड़ा द्वारा इस वर्कशॉप में रंगमंचीय गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में अभिनय, संवाद अदायगी, बॉडी लैंग्वेज और आत्मविश्वास बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। 8 से 16 वर्ष की आयु के इच्छुक बच्चे इस वर्कशॉप में भाग ले सकते हैं। इसके लिए अभिभावक 1 मई से पहले रोशनी एजुकेशन सोसाइटी के कार्यालय में जाकर बच्चों का नामांकन करा सकते हैं। यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शेष पेज एक...

एसएचओ निलंबित ...

किया। DSP विनोद शंकर ने इस मामले की पुष्टि कर बताया कि सूचना मिलने पर आरोपी एसएचओ का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें अल्कोहल (शराब) की पुष्टि हुई है। एसपी के आदेश पर उन्हें तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

यह पहली बार नहीं है जब एसएचओ प्रेम कुमार का नाम विवादों में आया हो। उनका पिछला रिकॉर्ड भी कई मामलों में सवालों के घेरे में रहा है, जिसमें लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप शामिल हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि पहले भी उनके खिलाफ शिकायतें मिल चुकी हैं। प्रेम कुमार को पूर्व में अदालती प्रक्रियाओं में लापरवाही बरतने के कारण भी निलंबन का सामना करना पड़ा है। उन पर आरोप लगे थे कि वे कोर्ट द्वारा मांगे गए प्रोफार्मा नहीं भेजते थे और अधिकारियों के फोन तक नहीं उठाते थे।

पुलिस विभाग ने इस बार कड़ा रुख अपनाते हुए साफ किया है कि बार-बार मिलने वाली चेतावनियों के बावजूद व्यवहार में सुधार न होना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि वर्दी में रहते हुए नशे में धुत होना और अनुशासन तोड़ना एक गंभीर अपराध है।हरियाणा पुलिस की इस कार्रवाई को एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि अनुशासनहीनता और कदाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने साफ कर दिया है कि पुलिस की छवि को धूमिल करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में ....

को 21,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। किसानों को धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3,100 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा और आलू की कीमतों में गिरावट नहीं आएगी। विधवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को हर महीने 2000 रुपये मिलेंगे। एक ओर साढ़े 500 साल के बाद मोदी जी ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। और दूसरी ओर, ये ममता दीदी अपने चेले हुमायूं कबीर से बंगाल में बाबरी मस्जिद बनवाना चाहती है। ममता दीदी कान खोलकर सुन लो...जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जिंदा है, बंगाल में बाबरी मस्जिद हम कभी नहीं बनने देंगे।

अमित शाह ने इस दौरान राज्य में भाजपा सरकार बनने पर राज्यवासियों को कई लाभ मिलने की बात कही। उन्होंने कहा- सारे सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ और डीए देने का काम भाजपा की सरकार करेगी। जून महीने से हर पहली तारीख को बहनों के बैंक खाते में ₹3000 पहुंच जाएंगे। बंगाल के सारे बेरोजगार युवाओं के अकॉउंट में हर पहली तारीख में ₹3000 मिलेंगे। हम हर गर्भवती माता को ₹21 हजार उसके बच्चे की देखभाल के लिए देने का काम करेंगे।

वहीं, श्यामपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये आधा पंडाल सिर्फ माताओं-बहनों से भरा हुआ है। आप लोग 4 तारीख को भाजपा की सरकार बना दो, हर महीने 3000 रुपए आपके बैंक अकाउंट में आएगा। श्यामपुर वालों आपका ये जोश, उमंग और प्यार बताता है कि 4 तारीख को दीदी को टाटा, बाय-बाय करने का समय आ गया है। कुछ लोग कहते हैं कि ममता के गुंडे वोट नहीं डालने देते हैं। लेकिन पहले चरण में ममता दीदी का एक भी गुंडा बाहर नहीं आया, और आज भी ममता के गुंडों को चेतावनी देकर जाता हूं कि 29 तारीख को भी घर से बाहर नहीं निकलना... अगर घर के बाहर निकले तो 4 तारीख को उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे। हर घर में यहां नल लगाना था, लेकिन ममता दीदी नहीं लगवाईं। मोदी जी जो गरीबों के आवास के लिए पैसे भेजते हैं, उस पर डाका डालने का काम किया। फर्जी आईडी कार्ड बनाकर मनरेगा मजदूरों का पैसा हड़पने का काम किया। यही नहीं, बाढ़ राहत के पैसे भी भाईपों के गुंडे खा गए। लेकिन मैं आज कहकर जाता हूं कि 5 तारीख के बाद टीएमसी के गुंडों को गरीबों के पैसे उन्हें लौटाने पड़ेंगे।

पीडीडी फर्जी नियुक्ति घोटाले ...

सरकारी कर्मचारी) और केपीडीसीएल/ईडी सुंबल के एक मृत पूर्व कार्यकारी इंजीनियर (जो जम्मू के निवासी थे) के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि यह मामला एक लिखित शिकायत से शुरू हुआ था जिसमें पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) में धोखाधड़ी से नियुक्तियों का आरोप लगाया गया था। जांच के दौरान यह पाया गया कि नासिर अहमद मीर ने एक मनगढ़ंत नियुक्ति आदेश का उपयोग करके नौकरी हासिल की थी जिसे कथित तौर पर 1994 के एसआरओ-43 के तहत जारी किया गया था।उन्होंने कहा कि उक्त आदेश सरकारी रिकॉर्ड में गायब पाया गया जिससे इसकी प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह पैदा हो गया। जांच में आगे पता चला कि मुश्ताक अहमद मलिक, जो उस समय वरिष्ठ सहायक के रूप में कार्यरत थे, ने नासिर अहमद मीर के लिए एक जाली सर्विस बुक तैयार की थी, जिसमें झूठा दिखाया गया था कि उनकी नियुक्ति एसआरओ-43 के तहत हुई है।

प्रवक्ता ने कहा कि फोरेंसिक विश्लेषण ने पुष्टि की है कि सर्विस बुक में की गई प्रविष्टियां मुश्ताक अहमद मलिक द्वारा लिखी और हस्ताक्षरित की गई थीं। इसके अलावा कोई भी आधिकारिक प्रेषण या रसीद रिकॉर्ड कथित नियुक्ति आदेश के जारी होने का समर्थन नहीं करता था।उन्होंने कहा कि उस समय के तहसीलदार, बांदीपोरा द्वारा किए गए सत्यापन ने पुष्टि की कि नासिर अहमद मीर एसआरओ-43 के तहत नियुक्ति के लिए पात्र नहीं थे क्योंकि उनके परिवार की ऐसी कोई परिस्थितियां मौजूद नहीं थीं जो उन्हें इसके लिए योग्य बनातीं। इसके बावजूद मृत कार्यकारी इंजीनियर ने 2009 में बिना उचित सत्यापन के वेतन वितरण की सुविधा प्रदान की जो कथित नियुक्ति की तारीख के तीन साल से भी अधिक समय बाद किया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि जांच में आरोपियों के बीच एक आपराधिक साजिश का पता चला है जिसमें जालसाजी, धोखाधड़ी और सरकारी पद का दुरुपयोग शामिल है। इसके आधार पर धारा 420, 468, 471 और 120-बी आरपीसी के तहत अपराध साबित हुए हैं साथ ही इसमें शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधान भी लागू होते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि न्यायिक निर्णय के लिए आरोप पत्र (चार्जशीट) जमा कर दिया गया है।

यादवेंद्र गोमा ने मनसुख ...

बेहतर सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि हिमाचल के लिए एक विशेष स्पोर्ट्स पैकेज दिया जाए, जिससे खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य में हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की भी मांग रखी। गोमा ने विशेष रूप से किन्नौर, लाहौल-स्पीति और धर्मशाला में ऐसे प्रशिक्षण केंद्र खोलने का प्रस्ताव दिया, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मिल सके और वे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभ्यास कर अपनी क्षमता को और बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में हाई-एल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर बनने से न केवल हिमाचल बल्कि देशभर के खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा और भारत अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पधाओं में और मजबूत होकर उभरेगा।

सूखे मेवों के लिए मशहूर अमृतसर की ...

उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के सिद्धांत पर कार्य कर रही है, जिससे व्यापारियों को पारदर्शी, सरल एवं सुगम प्रक्रियाएं सुनिश्चित हो सकें। हरियाणा आज देश के प्रमुख औद्योगिक एवं लाजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा है, जहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार व्यापारियों के साथ हर कदम पर खड़ी है। प्रदेश में निवेश करने वाले प्रत्येक उद्यमी को पूर्ण सहयोग एवं सुरक्षा प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

सत्यजय टाईम्स

सप्ताहिक भविष्यफल 2026
26/04/2026-02/05/2026

ऋचा चुटानी

टैरोकार्ड रीडर तथा न्यूमरोलाजिस्ट
संपर्क: 7042824609

एक नंबर वालों के सामने एक बड़ी चुनौती आने वाली है। पर आप उसका सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आप अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य करेंगे तो आप हर कार्य मे जीत हासिल करेंगे। आर्थिक दृष्टि से संमय चुनौतीपूर्ण है आपको अचानक से कुछ नुकसान हो सकता है। सेहत के लिए समय अच्छा है थोड़ा ध्यान चिंतन करें।

दो नंबर वालों के लिए ये जीत का समय है। आपकी सारी इच्छाएँ पूर्ण होंगी। आप खुल कर अपने को अभिव्यक्त करें, आपको कोई डर नही है। आर्थिक दृष्टि से संमय अच्छा है, आप अपने बुद्धि और विवेक का प्रयोग कर के जहां निवेश करेंगे। आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। सेहत के लिए समय अच्छा है। बस काम के साथ थोड़ा आराम भी करें।

तीन नंबर वालों के लिए ये नई आशा और उम्मीदों का समय है। इस समय सकारत्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे और सफल होंगे। आप हर कार्य मे छा जाएंगे और हर कोई आपकी सराहना करेगा। आर्थिक दृष्टि से समय अच्छा है आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करके पैसा कमा सकते है। सेहत के लिए संमय चुनौतीपूर्ण है सावधान रहें।

चार नंबर वालों के जीवन मे एक बड़ा बदलाव आने वाला हैं। ये बदलाव इतना बड़ा होगा कि अगर ये कहा जाए कि ये आपका पुनर्जन्म होगा तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। ये बदलाव आपके कार्यस्थल में आपके रहने की जगह में या सोच में भी हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से समय अच्छा है। बस जो भी कार्य करे दिल से नहीं दिमाग से कम लें। भावनाओं में न बहे अगर कुछ शंका हो तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह लें। सेहत के लिए भी समय अच्छा है।

पाँच नंबर वालों के लिए समय अच्छा है। किसी भी कार्य को करने से पहले अपने पुराने अनुभव से प्राप्त सीख को हमेशा याद रखे। किसी के साथ कोई भेदभाव न करें और हर फैसला न्यायपुर्वक लें। आर्थिक दृष्टि से समय सामान्य है, पैसे से ज्यादा आपको अपने साथ और परिवार के साथ समय बिताने की आवश्यकता है। याद रहे अपनो के साथ बिताए हुए पल संसार की सबसे बड़ी पूंजी है। सेहत आपका भरपूर साथ देगी।

छह नंबर वालों के भाग्य में परिवर्तन होने वाला है। इस समय आपका भाग्य किस ओर करवट ले कहना मुश्किलल है पर परिवर्तन होगा अवश्य।आपके घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में परिस्थितियों में कुछ परिवर्तन अवश्य आएगा। आर्थिक दृष्टि से आपको कोई बड़ा निर्णय लेना है जिसे आप टाल रहे हैं ये संमय है उस निर्णय को लेने का और आगे बढने का। कही इतनी देर न जो जाए की चिड़िया चुग गई खेत। सेहत के लिए समय अच्छा है।

सात नंबर वाले अपने जीवन पथ में सही राह पर है। आपको बस इसी राह पर आगे चलते रहना है और मार्ग से भटकना नही है। आपको अपनी क्षमता और लक्ष्य की पूरी जानकारी है और आप उसी प्रकार कार्य भी कर रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से समय चुनौतीपूर्ण है। सावधान रहें। फिजूल खर्ची से बचे। सेहत के लिए समय बहुत अच्छा है।

आठ नंबर वाले इस समय उथल-पुथल से जूझ रहे हैं। आपके शत्रु इस समय आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। आप एक असुरक्षा महसूस कर रहें हैं। इस समय अगर आप दृढ़ निश्चय और संकल्प से कम लेंगे तो आप इस चुनौती को आसानी से पर कर लेंगे। आने वाला समय आपके लिए अच्छा होगा। आर्थिक दृष्टि से समय अच्छा है आपको पैसे से बढ़कर और भी सुख प्राप्त होंगे। सेहत भी आपके साथ है।

नौ नंबर वालो की जिंदगी में कुछ नई शुरूआत होने वाली है इस समय आप कुछ ऐसा कर सकते है जो पहले शायद आपको खुद भी असंभव लग रहा था। इस समय आप जो भी कार्य हाथ मे लेंगे उसमें अवश्य सफल होंगे। इसलिए चुनाव सोच समझ कर करें। आर्थिक दृष्टि से संमय बहुत अच्छा है। आप जहां भी निवेश करेंगे आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे । सेहत आपका साथ देगी।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ ने परशुराम जन्मोत्सव किया आयोजित

समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवल। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ (रजिस्टर्ड) फरीदाबाद द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा से राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में विधायक मूलचंद शर्मा, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, भाजपा से मुख्यमंत्री पूर्व राजनीति सलाहकार अजय गौड़, कांग्रेस से पूर्व विधायक नीरज शर्मा, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, पूर्व प्रत्याशी श्रीमती पराग शर्मा, गिरीश भारद्वाज, विनोद कौशिक, पूर्व लोकसभा युवा अध्यक्ष रिंकू चंदीला एवं शालिनी चोपड़ा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन एवं उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सत्य, धर्म, साहस और न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने अन्याय एवं अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

भगवान परशुराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि व्यक्ति को सदैव धर्म और सत्य के पक्ष में खड़ा रहना चाहिए तथा समाज में समरसता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहिए। इस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं सफल आयोजन में पं० लखन शर्मा, पं० कलेक्टर पाराशर, पं० मुकेश शर्मा, श्री अजय शर्मा, ललित शर्मा, हरीश पाराशर, पवन चंदीला, प्रदीप शर्मा, सचिन वशिष्ठ, सुरेश बैनीवाल, नरेश शर्मा, एडवोकेट अमित शर्मा, राहुल यादव, रंजित ठाकुर, सुबोध भाटी, सुनील ठाकुर, प्रवीण बैसला, दीपांशु गांधी, कमल शर्मा, एडवोकेट अमित शर्मा, वैभव, बबलू त्यागी, अरूण त्यागी, सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक संस्थाओं का विशेष योगदान रहा।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

रणबीर गंगवा ने गौशालाओं के लिए वितरित किए 84 लाख 41 हजार रुपये के चेक

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने आज हिसार के गांव धांसू में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न गौशालाओं को अनुदान राशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने धांसू गोशाला में लगभग 17 लाख रुपये की लागत के शेड का लोकार्पण भी किया।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन नीति के तहत गौशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गौशालाओं को 84 लाख 41 हजार 560 रुपये की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने गौशालाओं के बजट को बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये वार्षिक कर दिया है। वर्ष 2014 से पूर्व यह बजट मात्र 40 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि गौधन भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। गौशालाओं के माध्यम से न केवल गौवंश की रक्षा हो रही है, बल्कि जैविक और प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि गोबर और गौमूत्र से तैयार होने वाले जैविक खाद और कीटनाशक प्राकृतिक खेती के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जिससे भूमि की उर्वरता बढ़ती है और किसानों की लागत में कमी आती है। उन्होंने किसानों से आान किया कि वे प्राकृतिक खेती को अपनाकर स्वास्थ्यवर्धक उत्पादन करें और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने ग्राम पंचायत की ओर से रखी गई मांगो को जल्द पूरा करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनू सिहाग डाटा, पार्षद ओपी मालिया, पूर्व चेयरमैन रणधीर धीरू व आसपास की गौशालाओं के प्रतिनिधि व गोभक्त उपस्थित रहे।

सोहना-तावडू घाटी मोड बन रहा है मौत का शिकार

सोहना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। सोना तावडू घाटी गाड़ियों के लिए मौत का शिकार बनता जा रहा है क्योंकि तावडू साइड से आने वाले गाड़ियों का घाटी मोड पर आने पर संतुलन बिगड़ने के कारण खाई में गिर जाता है जिसकी वजह से व्यक्ति को अपनी मौत का शिकार बनना पड़ता है तावडू पहाड़ी मोड की चौड़ाई कम होने के कारण गाड़ी चालक को मालूम नहीं हो पता कि किस प्रकार आगे का संतुलन गाड़ी के प्रति रखना जिसकी वजह से गाड़ियों का संतुलन बिगड़ने के कारण मोड पर बने दीवार को तोड़ते हुए गहरी खाई में गिर जाते हैं जिससे व्यक्ति को भी अपनी मौत का शिकार होना पड़ता है और गाड़ी तो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाती है ऐसा ही तावडू साइड से आ रही तेल टैंकर के ट्रक का भी संतुलन बिगड़ने के चलते गहरी खाई में गिरते गिरते बाल बच गए जब भगवान की कृपा होती है तो बचाव हो जाता है हरियाणा सरकार को सोना तावडू घाटी को दुर्घटना से बचाना है तो रोड को दोनों साइड चौड़ा करना पड़ेगा अन्यथा दारू से आने वाली गाड़ियों को गहरी खाई में गिरने से कोई नहीं बचा पाएगा क्योंकि जब गाड़ी का संतुलन बिगड़ जाता है तो गाड़ी चालक भी कुछ नहीं कर पाता है इसलिए आम नागरिकों की सुरक्षा तथा गाड़ी चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रोड का चौड़ीकरण जल्द से जल्द करवाया जाए ताकि आम नौकरी को की सुरक्षा व गाड़ी चालकों की सुरक्षा हो सके।

नई पहल: हरियाणा में लक्षित सुक्ष्म योजना और जन भागीदारी से मलेरिया के खिलाफ लड़ाई की तेज

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। विश्व मलेरिया दिवस पर हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया को खत्म करने में तेजी लाने के लिए कई नई लक्षित पहल शुरू की हैं, जिसमें गांव और मोहल्ला स्तर पर सुक्ष्म निगरानी स्त्रोत का पता लगाना और घनी जोखिम वाली आबादी की मॉनिटरिंग पर फोकस किया गया है। स्वास्थय और परिवार कल्याण विभग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि ये उपाय राज्य भर में ट्रांसमिशन को रोकने के लिए जल्दी पता लगाने और तुरंत जबरदस्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए हैं। इस नई पहल के तहत स्वास्थय कार्यकताओं द्वारा नियमित की जाने वाली गतिविधियों.के अलावा, पिछले साल मलेरिया के मामलों की रिपोर्ट करने वाले सभी गांवों और शहरी इलाकों को कवर करने के लिए एक सघन सुक्ष्म योजना तैयार की गई।ऐसे इलाकों में स्वास्थय टीमें हर महीने घर घर जाकर सर्वे कर रही हैं, जिसमें 950 से ज्यादा दौरे पहले ही किए जा चुके हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी संभावित मामला छूट न जाए।

विभाग का यह एक और कदम है कि हर रिपोर्ट की जांच अवश्य की जाएगी। अब हर केस की जांच एक स्पेशल टीम करती है, जिसमें एक एपिडेमियोलॉजिस्ट भी शामिल है ताकि इन्फेक्शन की सही शुरूआत में ही पता लगाया जा सके तथा उस सोर्स को फैलने से रोका जा सके। इस वैज्ञानिक, डेटा-ड्रिवन तरीके से बीमारी की निगरानी और मजबूत होने की उम्मीद है। यह मानते हैं कि 75 प्रतिशत से ज्यादा नए केस बाहर से आए मजदूरों से जुड़े हुए हैं। विभाग द्वारा लेबर साइट्स का हर महीने हर महीने के पहले सोमवार को जांच शुरू की जाएगी। इस लक्षित बाहरी पहुंच का उद्देश्य कमजोर समूह में इन्फेक्शन का जल्दी पता लगाना और फैलने का खतरा कम करना है।

इस साल की ग्लोबल थीम मलेरिया खत्म करने के प्रयास अब हमें करने ही होंगे। हरियाणा ने मलेरिया को नियंत्रण करने में पहले ही काफी तरक्की कर ली है। वर्ष 2014 में 4,485 केसों में से तेजी से घटकर 2025 में सिर्फ.202 रह गए है, और हाल के सालों में मलेरिया से कोई मौत नहीं हुई है। वर्ष 2025 में दर्ज कुल 515 मामलों में से, सिर्फ.202 राज्य के अंदर के थे, जबकि बाकी दूसरे राज्यों से जुड़े हुए थे। खास बात यह है कि 31 मार्च, 2026 तक सिर्फ.8 मामले दर्ज हुए हैं, जो अब लगातार नियंत्रण में है। राज्य के मजबूत निगरानी सिस्टम के तहत वर्ष 2025 में 36 लाख से ज्यादा टेस्ट किए गए। वार्षिक रक्त जांच दर 12.37 प्रतिशत तक पहुँच गई, जो राट्रीय स्तर से ज्यादा है, जबकि पॉजिटिविटी रेट 0.014 प्रतिशत बहुत कम है। जो बेहतर रोकथाम के प्रयासों को दशार्ता है। हरियाणा में डायग्नोसिस के लिए फील्ड सर्वे के दौरान आरडीटी को मुख्य टूल के तौर पर इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है। जबकि संस्थान स्तर पर डायग्नोसिस के लिए माइक्रोस्कोपी को मुख्य आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। स्वास्थय विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे बुखार के मामलों की तुरंत जांच करवाएं और पूरा इलाज करवाने सहयोग करें। प्राइवेट डॉक्टरों से भी संक्रामक रोग अधिनियम 1899 के तहत मलेरिया के मामलों को नोटिफाई करें। इस पर बल दिया गया है कि बीमारी फैलने से रोकने के लिए समय पर रिपोर्टिंग बहुत जरूरी है। लगातार निगरानी जन भागीदारी के साथ, हरियाणा मलेरिया को पूरी तरह खत्म करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डीटीपी की सख्त कार्रवाई, 9 लोगों पर एफआईआर

भिवानी, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। कृषि भूमि पर बिना अनुमति और लाइसेंस रिहायशी कॉलोनी काटने और नोटिस के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोकने के आरोप में हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो (एचएसईबी) भिवानी ने भाजपा विधायक घनश्याम सर्राफ की पत्नी, बेटे और दो बेटियों समेत परिवार के नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) नरेंद्र नैन द्वारा इस संबंध में हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो (एचएसईबी) भिवानी को 3 मार्च को शिकायत दी गई थी। प्राथमिकी में आरोप है कि शहर में तोशाम रोड पर जूई नहर के पास जागृति कॉलोनी मोड़ पर आरोपियों द्वारा करीब 4.2 एकड़ कृषि भूमि पर अनधिकृत तौर पर कॉलोनी काटकर प्लॉटों की नींव भराई, सड़क और सीवर लाइन संबंधी कार्य किया जा रहा था। नोटिस और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बावजूद निर्माण कार्य चलते रहे। एचएसईबी ने हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरिया एक्ट, 1975 की धारा 7 (1) (2) और अन्य नियमों का उल्लंघन मानते हुए आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। भिवानी की बाग कोठी निवासी प्रेमलता (विधायक की पत्नी), अमन गर्ग (बेटा), श्वेता गर्ग व मनीषा गर्ग (बेटियां), शिव नगर कॉलोनी निवासी मोहित गोयल (भांजा), लोहड़ निवासी मनीषा व निर्मला, आदर्श नगर निवासी माया देवी और नई दिल्ली निवासी रचना का नाम प्राथमिकी में शामिल किया है। अनधिकृत कॉलोनी में दो बार निर्माण ध्वस्त किए गए। इसके बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका। बिना लाइसेंस और बिना अनुमति कृषि भूमि पर अनधिकृत कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी। मेरे नाम पर कोई भूमि नहीं है। मेरा परिवार नियमों के दायरे में रहकर ही प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का काम करता है। मेरे परिवार के सदस्यों पर प्राथमिकी दर्ज होने की मुझे कोई जानकारी नहीं है और न ही इस मामले से मेरा कोई लेना-देना है।

यात्रियों को सौगात: सुबह हिसार से चलकर शाम को अनूपगढ़ पहुँचाएगी स्पेशल बस

चंडीगढ, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा परिवहन विभाग इन दिनों अपने रूट विस्तार को लेकर काफी आक्रामक नजर आ रहा है। यात्रियों की सहूलियत और धार्मिक-पर्यटन स्थलों को जोड़ने की कड़ी में अब फतेहाबाद डिपो ने एक ऐसी बस सेवा को मजबूती दी है, जो सीधे भारत-पाकिस्तान सीमा के बेहद नजदीक स्थित राजस्थान के अनूपगढ़ तक जाती है। हिसार और सिरसा बेल्ट के यात्रियों के लिए यह बस किसी सौगात से कम नहीं है, क्योंकि पहले इस दूरी को तय करने के लिए यात्रियों को कई जगह बसें बदलनी पड़ती थीं। फतेहाबाद डिपो की यह स्पेशल बस सेवा हिसार बस स्टैंड से हर रोज सुबह 10:45 बजे अपना सफर शुरू करती है। करीब एक घंटे के सफर के बाद 11:45 बजे यह फतेहाबाद पहुँचती है और दोपहर 1:00 बजे सिरसा के बस स्टैंड पर सवारियां लेती है। इसके बाद ऐलनाबाद और राजस्थान के सूरतगढ़-हनुमानगढ़ होते हुए यह शाम 7:00 बजे अनूपगढ़ बस स्टैंड पर विश्राम करती है। बॉर्डर के नजदीक रात्रि ठहराव के बाद, अगले दिन तड़के 05:15 बजे यह बस वापस हरियाणा के लिए अपनी यात्रा शुरू करती है और दोपहर तक फतेहाबाद लौट आती है। फतेहाबाद रोडवेज डिपो के अधिकारियों का कहना है कि इस रूट को शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को उन सुदूर इलाकों तक पहुँचाना था।

100 करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड काबू, रिटायर्ड फौजी से 35 लाख रूपये हड़पे

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। कुरुक्षेत्र में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंपनी के एक अहम लीडर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इस नेटवर्क ने 100 से अधिक लोगों को झांसे में लेकर करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी की। लोगों को जोड़ने के लिए कंपनी ने बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान से भी प्रमोशनल इवेंट करवाया था। आरोपी रामनिवास (सेक्टर-27, सोनीपत) का काम लोगों को स्कीम समझाकर कंपनी से जोड़ना था। निवेशकों को हर महीने 4 से 5 प्रतिशत तक रिटर्न का लालच दिया गया। इसी झांसे में आकर रिटायर्ड फौजी, प्रॉपर्टी डीलर समेत 100 से अधिक लोग ठगी का शिकार हो गए। कई पीड़ित अब आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। पीड़ित रामेश्वर दास (निवासी सुल्तानपुर) ने बताया कि उसकी पहचान शिव कुमार (निवासी बीड़ खैरी) से थी। सितंबर 2022 में शिव कुमार ने उसकी मुलाकात मेटा-एफ कंपनी के संचालक गौरव प्रताप से करवाई। गौरव ने हर महीने 4 से 6 प्रतिशत रिटर्न का भरोसा दिलाकर निवेश शुरू करवाया। शुरूआत में 10 हजार रुपये से निवेश किया गया और शुरूआती दौर में रिटर्न भी मिला, जिससे भरोसा बढ़ता गया। आरोपियों ने बाद में सरकारी ठेके मिलने और बड़े मुनाफे का झांसा देकर धीरे-धीरे करीब 35 लाख रुपये निवेश करवा लिए। इसके बाद कंपनी अचानक रकम लेकर फरार हो गई। इकोनॉमिक सेल के इंचार्ज सतीश कुमार के अनुसार, शिकायत के आधार पर थाना लाडवा में केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान पहले आरोपी शिव कुमार को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर रामनिवास को भी काबू कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 हजार रुपये बरामद किए हैं और कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। आशंका है कि ठगी का यह जाल और भी बड़े स्तर पर फैला हो सकता है और आने वाले दिनों में कई और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

गर्ग परिवार ने पारस गर्ग का मनाया जन्मदिन

सोहना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/अशोक गर्ग। बच्चों के जन्मदिन से 5 साल पूरे होने पर पता नहीं चल पाता की उन्होंने 5 साल जीवन में आए किस प्रकार बीते हैं व्यापार मंडल रजिस्टर प्रधान अशोक गर्ग वरिष्ठ पत्रकार जीवन संगिनी सुनीता गर्ग वार्ड नंबर 18 नगर परिषद की पार्षद के अनमोल पुत्र गौरव गर्ग की जीवन संगिनी प्रिया गर्ग के उज्जवल भविष्य करने वाले पारस गर्ग को 24 अप्रैल 2026 को 5 साल पूरे होने पर परिजनों द्वारा के काटकर खुशियां मनाएं इस अवसर पर परिवार के सदस्य रिश्तेदार आदि मित्रगण कार्यक्रम में पहुंचकर जन्म दिवस का केक काटकर खुशियां मनाएं जन्मदिवस की अवसर पर एडवोकेट सचिन गर्ग तनु गर्ग बिटिया निशिका गर्ग बेटा वेदांश गर्ग अंशुल गर्ग मेगा गर्ग लक्षिका गर्ग रियांश गर्ग यश गोयल एडवोकेट सुमित गर्ग प्रधान श्री अग्रवाल सभा सोना मोनू नांगल लक्ष्मण नांगल विनोद गर्ग मीना गर्ग कशिश गर्ग मनीष गर्ग अमित गर्ग पूनम गर्ग गौरांश गर्ग अनमोल पुत्र गर्ग मोनिका गर्गवीरेंद्र गर्ग जितेंद्र गर्ग जीतू गर्ग हिमांशु गर्ग वैभव गर्ग वेद प्रकाश नांगल अंशुल नांगल कमल बंसल आदि काफी संख्या में सम्मानित लोगों ने जन्मदिवस के अवसर पर पहुंचकर पारस गर्ग को जीवन में आए 5 साल पूरे होने पर सभी ने खुशी-खुशी होते केक काटकर आनंद मनोरंजन किया एडवोकेट सचिन करने कहा कि जीवन में परिवार के साथ भाईचारा कायम रखना तथा सभी को खुशी की ओर ध्यान देना है तो समय-समय पर माता-पिता को अपने बच्चों के प्रति जन्मदिन आदि सामाजिक कार्य करने चाहिए ऐसा करने से जहां परिवार में जीवन में खुशियां मिलती है वही आपसी भाईचारा भी एक खुशियों का माहौल बनता है इसको जीवन में बरकरार रखना हम सभी को विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि व्यक्ति अपने जीवन में धन कमाने के लिए भाग दौड़ करने में हम परिवार के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं जिसकी वजह से परिवार में खुशियां प्राप्त नहीं होती है यदि हम सभी जीवन में हमको एक सोच बनानी होगी की समय अनुसार परिवार के साथ समय अनुसार खुशियां मनाने के लिए समय निकालना जरूरी है उसके बाद ही हमारा परिवार जीवन में खुशियां ही खुशियां प्राप्त करता रहेगा।

विधायक ने वार्ड नंबर 90 में 98 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

लुधियाना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सत पाल सोनी- बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और आम जनता को सुविधा देने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, लुधियाना उत्तरी के विधायक मदन लाल बग्गा, लुधियाना केंद्रीय के विधायक अशोक पराशर 'पप्पी', सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर और डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर ने शनिवार को वार्ड नंबर 90 के विभिन्न इलाकों में 98 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इन परियोजनाओं में केसर गंज मंडी में सड़कों के पुनर्निर्माण का काम शामिल था, जिस पर लगभग 50 लाख रुपये की लागत आई; टायर मार्केट में पानी की सप्लाई और सीवरेज पाइपलाइन बिछाने का काम, जिस पर लगभग 35 लाख रुपये की लागत आई; और टायर मार्केट में एक नया 25ँस्त्र का ट्यूबवेल लगाने का काम, जिस पर लगभग 13 लाख रुपये की लागत आई।

विधायक बग्गा, विधायक पराशर, सीनियर डिप्टी मेयर पराशर और डिप्टी मेयर जौहर ने बताया कि शहर में करोड़ों रुपये की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं और अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें। इसके अलावा, यह भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि काम की गुणवत्ता के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीनियर डिप्टी मेयर और पार्षद (वार्ड नंबर 90) राकेश पराशर ने आगे बताया कि प्रभाकर मोहल्ले में सड़कों के पुनर्निर्माण की परियोजना पहले से ही चल रही है और शाहपुर रोड पर सड़कों के पुनर्निर्माण की परियोजना भी जल्द ही शुरू हो जाएगी। उद्घाटन समारोह के दौरान सतीश थापर, बॉबी भंडारी, कृष्ण थापर, दीपक शर्मा 'दीपा', कुलदीप सिंह, अशोक गोयल, अजय जुनेजा, रमेश शर्मा, कूकी थापर, प्रेमकांत, योगेश बेक्टर, परवीन 'पिंका', अश्विनी कनौजिया, भीमसेन 'भीमा', गौरव बंसल, टिंकू मिगलानी, रणजीत सिंह, विपुल भंडारी, मनु थापर, विकास प्रभाकर और अन्य लोग उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई के स्वागत में सजा जिला न्यायालय

CBLU के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

भिवानी, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत शनिवार को गांव प्रेमनगर की चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी में पहुंचे।

भिवानी में मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद उनका ये पहली बार आगमन है। चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने होनहार विद्यार्थियों को डिग्री वितरित की वहीं उनका मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल का एक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि चौधरी बंसीलाल की सराहना भी की। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल असीम घोष भी विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से होनहार विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरण कार्यक्रम से पहले अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों के लिए परीक्षा तनाव प्रबंधन विषय पर वर्कशॉप का आयोजन

चंडीगढ, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के स्टूडेंट काउंसलिंग सेल ने आज परिसर

में कॉलेज विद्यार्थियों के लिए परीक्षा तनाव प्रबंधन विषय पर एक वर्कशॉप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक दबाव से निपटने और परीक्षा के दौरान मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों से सुसज्जित करना था।

यह कार्यक्रम डॉ. डी.आर. प्रजापति (डीन छात्र कल्याण) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। वर्कशॉप का संचालन सुश्री दीप्ति कपिला द्वारा किया गया, जिन्होंने तनाव और चिंता को कम करने के प्रभावी उपाय साझा किए। इंटरैक्टिव गतिविधियों और विचारोत्तेजक चचाओं के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों को रिलैक्सेशन तकनीक, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच जैसे उपायों के बारे में मार्गदर्शन दिया। वर्कशॉप का समन्वय डॉ. सुलता भंडारी (प्रोफेसर इंचार्ज, स्टूडेंट काउंसलिंग सेल), नवीन कुमार (स्टूडेंट काउंसलर) और सुश्री तन्वी शर्मा (स्टूडेंट काउंसलर) द्वारा किया गया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को आवश्यकता पड़ने पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। इस वर्कशॉप में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने सत्र को अत्यंत लाभकारी और रोचक पाया। यह पहल पेक द्वारा अपने विद्यार्थियों के लिए सहयोगात्मक और स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण विकसित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

चिंतन शिविर में स्माइल-बेगरी सर्वे मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ

चंडीगढ़, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 24 से 26 अप्रैल 2026 तक चंडीगढ़ में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ आयोजित चिंतन शिविर के दौरान स्माइल-बेगरी सर्वे मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ किया।

यह मोबाइल एप्लिकेशन स्माइल-भिक्षावृत्ति उप-योजना (भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों का व्यापक पुनर्वास) के अंतर्गत विकसित की गई है। इसका उद्देश्य वास्तविक समय डेटा संग्रह और बेहतर निगरानी के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करना है। यह एप्लिकेशन कार्यान्वयन एजेंसियों और जिला अधिकारियों को सर्वेक्षण डेटा को डिजिटल रूप से एकत्रित करने में सक्षम बनाएगा, जिससे सटीकता, पारदर्शिता और समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित होगी। मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ देर से और अनियमित डेटा रिपोर्टिंग जैसी चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, साथ ही यह शहरों में वास्तविक समय की निगरानी, डेटा विश्लेषण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए मंत्रालय की क्षमता को भी बढ़ाती है। इस अवसर पर बोलते हुए, यह बताया गया कि यह पहल सरकार के भिक्षावृत्ति मुक्त भारत के लक्ष्य के अनुरूप है। यह मोबाइल एप्लिकेशन योजना के समग्र निगरानी ढांचे को और मजबूत करेगी। मंत्रालय ने चिन्हित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में पुनः शामिल करने और उन्हें गरिमा और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों का लाभ उठाने और संस्थागत तंत्रों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, हथियार सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

नूंह, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/जुबैर खान। नूंह जिले के थाना सदर तावडू पुलिस ने संगठित अपराध और अवैध हथियार रखने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शकील पुत्र अयूब और जमशेद पुत्र रज्जाक निवासी गांव सालाका, थाना सदर तावडू के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अवैध हथियार और कारतूस के साथ काबू किया है। इस मामले में तावडू सदर थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अवैध हथियार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में अवैध हथियारों के साथ घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर केएमपी टोल के पास रेड कर दोनों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान शकील के कब्जे से देशी कट्टा तथा जमशेद के कब्जे से कारतूस बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में आरोपी शकील के खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले में संगठित अपराध से जुड़ी धारा भी जोड़ी है। जांच के दौरान आरोपियों ने अवैध हथियार और कारतूस खरीदने को लेकर खुलासे किए हैं, जिनके आधार पर सप्लाई नेटवर्क और संभावित अन्य वारदातों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से गहन पूछताछ और हथियार उपलब्ध कराने वालों की तस्दीक के लिए दोनों को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से अन्य आपराधिक वारदातों, हथियार तस्करी कनेक्शन और संगठित अपराध से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ करेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में आगे की जांच जारी है।

594 किमी का गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार

लखनऊ, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाली गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना अब अपने

अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे देश को समर्पित करने जा रहे हैं। करीब 594 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे न केवल देश के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शामिल है, बल्कि इसे सरकार की रणनीतिक योजना और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के प्रभावी क्रियान्वयन का एक सफल उदाहरण भी माना जा रहा है। लगभग 37 हजार करोड़ की लागत वाले इस मेगा प्रोजेक्ट को चार प्रमुख पैकेज (ग्रुप) में विभाजित कर तेजी से आगे बढ़ाया गया। यही मल्टी-पैकेज मॉडल इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ, जिसने इतने बड़े प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाई।

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को चार प्रमुख पैकेज में विभाजित कर अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से क्रियान्वित किया गया। इस मॉडल के तहत प्रमुख डेवलपर्स और ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स को समानांतर रूप से काम करने का अवसर मिला, जिससे निर्माण कार्य में उल्लेखनीय तेजी आई। पहले पैकेज की लंबाई 129.70 किमी रखी गई, जिसकी कुल लागत 9 हजार करोड़ से अधिक है। दूसरे पैकेज की लंबाई 151.70 किमी और कुल लागत लगभग 9 हजार करोड़ है। तीसरे पैकेज की लंबाई 155.70 किमी तथा कुल लागत लगभग 9 हजार करोड़ निर्धारित है। चौथे और सबसे लंबे पैकेज की लंबाई 156.847 किमी है, जिसकी कुल लागत लगभग 9.5 हजार करोड़ है। इस परियोजना में अदाणी इंटरप्राइजेज ने भी काम किया है। कंपनी द्वारा बदायूं से प्रयागराज तक 464 किलोमीटर हिस्से का निर्माण कार्य हुआ है।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रो. परमवीर सिंह ने प्रस्तुत किया विशेष व्याख्यान

बठिंडा, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के पंजाबी विभाग द्वाराइंटैक पंजाब चैप्टर और बठिंडा चैप्टर के सहयोग से श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं और शहादतः सर्वकालिक सार्थकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 24 अप्रैल को किया गया।

कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस संगोष्ठी में प्रसिद्ध पंजाबी चिंतक और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस डॉ. मनमोहन सिंह (पूर्व आईपीएस) ने मुख्य वक्तव्य दिया, जबकि पंजाबी यूनिवर्सिटी के सिख इनसाइक्लोपीडिया विभाग के प्रो. परमवीर सिंह ने विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। इंटैक पंजाब चैप्टर के संयोजक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बलविंदर सिंह तथा बठिंडा चैप्टर के संयोजक श्री कंवर भीम सिंह ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न अकादमिक सत्रों की अध्यक्षता प्रो. सतनाम सिंह जस्सल, प्रो. राजिंदर सिंह तथा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. नरेश कुमार ने की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के डीन (अकादमिक) प्रो. रामाकृष्ण वुसिरिका ने की। अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ. मनमोहन सिंह ने शहादत की अवधारणा का ऐतिहासिक विश्लेषण करते हुए गुरु तेग बहादुर जी की अद्वितीय शहादत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह शहादत धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए दी गई थी तथा इसे केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी समझने की आवश्यकता है।

प्रो. परमवीर सिंह ने अपने विशेष व्याख्यान में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपने उपदेशों को व्यवहार में उतारा और समाज को निर्भयता का संदेश दिया। उनकी शहादत ने भारत में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की चेतना को मजबूत किया और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा दी। इंटैक के संयोजक मेजर जनरल (से.नि.) बलविंदर सिंह ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और सिख इतिहास के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया तथा नई पीढ़ी को अपने समृद्ध विरासत से जोड़ने की आवश्यकता बताई। डीन (अकादमिक) प्रो. रामाकृष्ण वुसिरिका ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस संगोष्ठी के आयोजन के लिए पंजाबी विभाग की सराहना की तथा विश्वविद्यालय में स्थापित किए जा रहे श्री गुरु तेग बहादुर सेंटर ऑफ स्टडीज इन इंडिक सिविलाइजेशन एंड रिलीजियस स्टडीज के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी के लिए 70 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और तीन अकादमिक सत्रों में चयनित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। शोधकताओं ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, बाणी और शहादत के विभिन्न पहलुओं पर शोधपरक विचार प्रस्तुत किए।

अप्रैल में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। प्रदेश में तेज धूप, गर्मी और लू ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। ज्यादातर जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच चुका है और शुष्क पछुआ हवाएं भी अपना असर दिखा रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दो दिन और इसी तरह का मौसम रहने की उम्मीद है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते 28 अप्रैल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार हैं जिससे तापमान में 2-4 डिग्री की कमी आने से राहत मिल सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के शाम के बुलेटिन के अनुसार, अप्रैल के महीने में अब तक का सबसे अधिक तापमान 47.4 डिग्री एक बार फिर बांदा में शनिवार को दर्ज किया गया। अप्रैल में सबसे ज्यादा तापमान 2022 में बांदा जिले में ही 47.4 डिग्री दर्ज किया गया था। इसके दृष्टिगत प्रदेश में कुछ स्थानों पर दोपहर में लू चलने के साथ कहीं-कहीं रात भी गर्म होने के आसार हैं। प्रदेश में मेघगर्जन के साथ वर्षा का नया दौर शुरू होने से 28 अप्रैल से तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट आ सकती है जिससे लू की स्थितियों में सुधार की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से छिटपुट वर्षा का दौर शुरू होकर पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ने के आसार हैं।

दीवान ने की पंजाब सरकार की निंदा

लुधियाना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना शहरी के पूर्व प्रधान और पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने पंजाब सरकार द्वारा हजारों सरकारी स्कूल शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी के लिए तैनात करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। यहां जारी एक बयान में, दीवान ने कहा कि सरकार द्वारा बार-बार शिक्षकों को कक्षाओं से निकालकर प्रशासनिक कार्यों में लगाना शैक्षणिक प्राथमिकताओं के प्रति निर्दयी लापरवाही को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पंजाब के उन स्कूलों की समस्या को और गंभीर करता है, जो पहले से ही स्टाफ की कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को कक्षाओं में शिक्षकों की जरूरत है, जनगणना डेस्कों पर नहीं। यह सरकार प्रशासनिक सुविधा के लिए शिक्षा की बलि दे रही है। दीवान ने खुलासा किया कि शिक्षक पहले ही सिलेबस पूरा करने, रिमेडियल

कक्षाओं और परीक्षा तैयारी के कारण बोझ तले दबे हुए हैं। ऐसे में, उन्हें अक्सर देर शाम तक चलने वाली जनगणना ड्यूटियां देने से अगली पढ़ाई की योजना बनाने या विद्यार्थियों की मदद के लिए समय नहीं बचता। इस मौके पर जनगणना के आंकड़ों की कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्ता को स्वीकार करते हुए, दीवान ने कहा कि सरकार इस तैनाती के कारण हो रहे शैक्षणिक नुकसान को नजरअंदाज नहीं कर सकती। शिक्षा कोई साइड ड्यूटी नहीं है, बल्कि यह पंजाब के भविष्य की नींव है। शिक्षकों को किनारे करके आप सरकार हमारे बच्चों के भविष्य को किनारे कर रही है।

पुलिस ने बगलामुखी धाम में रक्तदान कर लोगों को दिया मानवता का संदेश

लुधियाना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। समाज में मानवता और सेवा भाव को मजबूत करने के लिए रक्तदान जैसा पुण्य कार्य बेहद जरूरी है।

यह बात खन्ना के एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने बगलामुखी धाम में लगाए गए रक्तदान शिविर के दौरान कही। इस मौके पर उन्होंने न केवल शिविर में शिरकत की, बल्कि स्वयं रक्तदान कर एक मिसाल भी कायम की।

एसएसपी डॉ. आहलूवालिया ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान सबसे बड़ी मानव सेवा है, क्योंकि इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में हर रोज कई मरीजों को खून की जरूरत पड़ती है—चाहे वे सड़क हादसों के शिकार हों, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हों या ऑपरेशन के लिए भर्ती मरीज हों। ऐसे समय में एक यूनिट खून भी बेहद कीमती साबित होता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। यह न केवल दूसरों के लिए लाभदायक है, बल्कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। उन्होंने बताया कि नियमित रक्तदान करने से शरीर में नया खून बनता है और कई बीमारियों का खतरा कम होता है। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी से अपील की कि वे सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए रक्तदान अभियानों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि अगर हर युवा साल में कम से कम एक बार रक्तदान करे, तो देश में खून की कमी कभी महसूस नहीं होगी। इस मौके पर एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ाते हैं। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और रक्तदान किया। यह प्रयास न केवल जरूरतमंदों के लिए मददगार साबित होगा, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। अंत में एसएसपी ने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा है और हर व्यक्ति को इसमें अपना योगदान देना चाहिए।

पीएयू में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न

लुधियाना, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सत पाल सोनी। शुक्रवार को रात 8:00 बजे से 8:15 बजे तक पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी लुधियाना में सिविल डिफेंस एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज सफलतापूर्वक हुई। इस मॉक ड्रिल का मकसद नकली एयर स्ट्राइक की घटना की स्थिति में इमरजेंसी की तैयारी, रिस्पॉन्स कोऑर्डिनेशन और पब्लिक सेफ्टी उपायों का अंदाजा लगाना था।

पंजाब होम गाड्र्स और सिविल डिफेंस टीमों, NDRF और संबंधित इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स ने मॉक ड्रिल के दौरान कुल 30 लोगों को सुरक्षित बचाया। इस ऑपरेशन में रेस्क्यू टीमों, मेडिकल स्टाफ और सिक्योरिटी कर्मचारियों सहित अलग-अलग रिस्पॉन्स यूनिट्स के बीच क्विक एक्शन, असरदार कम्युनिकेशन और कोऑर्डिनेटेड कोशिशें दिखाई गईं। मॉक एक्सरसाइज एयर रेड वॉर्निंग सिग्नल के साथ शुरू हुई, जिसे सायरन से फैलाया गया। तय एरिया में ब्लैकआउट सिमुलेशन लागू किया गया, जिसमें असलियत और तैयारी पक्की करने के लिए प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया। सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स, NDRF, फायर ब्रिगेड, हेल्थ, होम गार्ड, ठउउ और दूसरों ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करते हुए एक्सरसाइज में एक्टिवली हिस्सा लिया। इंसिडेंट कमांडर और नायब तहसीलदार रंजीत सिंह ने मॉक ड्रिल के नतीजे पर खुशी जताई, और असली इमरजेंसी के दौरान तैयारी बढ़ाने और रिस्क कम करने में ऐसी एक्सरसाइज की अहमियत पर जोर दिया। इस मौके पर मौजूद खास लोगों में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के असिस्टेंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों, पंजाब होम गाड्र्स और सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट कमांडर दिलबाग सिंह, स्टोर सुपरिटेंडेंट गुरप्रीत सिंह, कंपनी कमांडर सुखविंदर सिंह, जसप्रीत सिंह, हेमंत कुमार, हरनेक सिंह और कई दूसरे लोग शामिल थे।

11 साल की बच्ची से दुष्कम

पानीपत, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के पानीपत से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पड़ोसी युवक ने 11 साल की मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाया। बदमाश ने घर के आंगन में सो रही बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है।

घटना के संबंध में पीड़ित बच्ची के परिजनों ने बताया कि 22 अप्रैल की रात उनका परिवार घर के अंदर सो रहा था, जबकि उनकी 11 साल की बेटी घर के आंगन में सो रही थी। इस दौरान आरोपी दीवार फांदकर घर के अंदर घुस आया। बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे फरार हो गया। साथ ही बच्ची को धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। बच्ची ने डर से किसी को कुछ नहीं बताया। अगले दिन जब बच्ची की तबीयत बिगड़ी तो उसने रोते हुए सारी घटना बताई। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम कर दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

पुतला फूंकने के दौरान झुलसा सदर विधायक का चेहरा

बहराइच, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। नारी वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले विपक्षी राजनीतिक दलों के विरुद्ध शनिवार को भाजपा की ओर से प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी नेताओं का पुतला फूंकते समय सदर विधायक अनुपमा जायसवाल का चेहरा गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद पदाधिकारी व कार्यकर्ता उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। भाजपा द्वारा बीते कुछ दिनों से नारी वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के विरुद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को भी भाजपा की ओर से प्रदर्शन का आह्वान किया गया था।इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता डीएम चौराहे पर एकत्रित हुए थे। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं का पुतला फूंकने के दौरान सदर विधायक अनुपमा जायसवाल आग की चपेट में आ गईं। जिससे उनका चेहरा गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद कार्यकर्ता उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उनका इलाज किया। इस दौरान डीएम अक्षय त्रिपाठी व एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने मेडिकल कॉलेज पहुंच उनका हाल जाना। मेडिकल कॉलेज में भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

नशे में पति बन जाता है जल्लाद

बेरहमी से पिटाई और कमरे में किया कैद

आगरा, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कृष्णा कुंज कॉलोनी में घरेलू हिंसा का एक मामला सामने आया है। यहां की रहने वाली दीपमाला सिंह ने पति पर शराब के नशे में आए दिन पिटाई करने का आरोप लगाया है। बृहस्पतिवार की रात भी पति ने नशे में उनकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद घर के बाहर ताला लगाकर भाग गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति ने उनका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया, जिससे वह किसी से संपर्क नहीं कर सकीं। किसी तरह पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने घर का ताला तोड़कर महिला और उसके बच्चों को बाहर निकाला। विवाहिता का आरोप है कि उनके सास-ससुर, जेठ और देवर पति को शराब पिलाकर उनके खिलाफ भड़काते हैं।

करीब दो माह पहले पति ने उनका गला दबाकर मारने की भी कोशिश की थी। पीड़िता के अनुसार वर्ष 2016 में उनका प्रेम विवाह हुआ था।

पति घर खर्च के लिए पैसे भी नहीं देता, जिससे बच्चों की स्कूल फीस तक जमा नहीं हो पा रही है। वह कई दिनों से थाने के चक्कर काट रहीं हैं। लेकिन पुलिस कोई सुनवाई नहीं कर रही हैं। मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि शिकायत मिली है, जांच की जा रही है।

बेटी की शादी कराकर लौट रहा था परिवार, ट्रेलर से टकराई कार, पांच की मौत

बड़हलगंज, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। यूपी के मऊ जनपद के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुम्हा-बसारथपुर के पास वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर रात्रि लगभग 2.30 बजे मऊ की तरफ से आ रही एसयूवी डिवाइडर से टकरा कर दूसरी लेंनपर ट्रेलर से टकरा गई। जिसमें रांची से पुत्री की शादी कर गोरखपुर लौट रहे पति-पत्नी-पुत्र और दो चालक समेत पांच की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक गाड़ी खड़ा कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला भेज दिया। वहीं ट्रेलर को कब्जे में लेकर थाने उठा लाई, जबकि एसयूवी को ट्रैक्टर से खिंचावाकर सड़क किनारे कर आवागमन बहाल कराया। गोरखपुर जनपद के खोराबार थाना क्षेत्र के

रानीडीहा निवासी 53 वर्षीय विनय श्रीवास्तव पुत्र स्व. ठाकुर रमाशंकर लाल श्रीवास्तव अपनी बेटी विमन्सा की शादी के लिए झारखंड के रांची गए थे। 20 अप्रैल को विवाह संपन्न होने के बाद अन्य रिश्तेदार वहां से वापस लौट आए थे। जबकि विनय श्रीवास्तव, 58 वर्षीय पत्नी अर्चना श्रीवास्त, इकलौते बेटे 27 वर्षीय कृतार्थ श्रीवास्तव के साथ रुक गए थे। जो शनिवार को किराए के एसयूवी से गोरखपुर घर लौट रहे थे। वाहन को बिहार गया जनपद के मोहनपुर थाना क्षेत्र के मटीहानि निवासी चालक 28 वर्षीय पुरुषोत्तम कुमार पुत्र रामप्यारे यादव चला रहा था, जबकि दूसरा चालक 20 वर्षीय नितीश पुत्र नन्दलाल पीछे बैठा था। परिवार के साथ उनका पालतू कुत्ता भी मौजूद था। शनिवार रात करीब 2:30 बजे जैसे ही वाहन कुसुम्हा बशारतपुर के पास पहुंचा, चालक को झपकी आ गई। अनियंत्रित एसयूवी पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर ट्रेलर से भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एसयूवी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सभी सवार उसमें फंस गए।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्कॉर्पियो को काटकर सुबह पांच बजे सभी पांचों शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि हादसे की सूचना परिजनों को दे दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात बहाल करा दिया गया है। इस दर्दनाक घटना से मृतकों के गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

तमिल फिल्म में मलयालम कलाकार को कास्ट करने पर बवाल, ममिता बैजू ने दिया रिएक्शन

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। साउथ की अभिनेत्री ममिता बैजू अपनी अपकमिंग फिल्म 'कारा' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। इसमें वह धनुष के साथ नजर आएंगी। पिछले कुछ वर्षों से तमिल दर्शक, फिल्ममेकर्स से यह मांग कर रहे हैं कि वे मुख्य भूमिकाओं में क्षेत्रीय कलाकारों को ही कास्ट करें। इस बीच विग्नेश राजा को इस बात के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है कि उन्होंने 'कारा' में मलयालम अभिनेत्री ममिता बैजू को कास्ट किया। इस मामले पर ममिता बैजू ने अपनी राय रखी है। सुधीर श्रीनिवासन के साथ बातचीत में, जब ममिता से तमिल फिल्मों की कास्टिंग को लेकर चल रही चर्चा पर उनकी राय पूछी गई, तो उन्होंने कहा, 'जब मुझे यह मौका मिला, तो मैंने इसे लपक लिया। एक अभिनेत्री के तौर पर, मैं हमेशा कुछ नया आजमाने और अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक निखारने की कोशिश करती हूं। मुझे ऐसा करने का मौका मिल रहा है और मैं इसे कर रही हूं। इसलिए, यह सबसे पहले फिल्ममेकर की पसंद होती है, जो मुझे किसी खास किरदार में देखते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। मैं काम करना चाहती हूं और अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यह मौका मिल रहा है, इसलिए यह बिल्कुल भी अनुचित नहीं है। अगर मैं उस किरदार में पूरी तरह से ढल पाती हूं और दर्शकों को विश्वसनीय लगती हूं, तो यह मेरी उपलब्धि है। अगर कोई किरदार ग्रामीण पृष्ठभूमि का है और मैं उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हूं, तो मेरे लिए यह उपहार है। इससे भाषा की सीमाएं टूटती हैं। यह मेरा पेशा है, और अपनी सीमाओं का विस्तार करना मेरी जिम्मेदारी है।' 'कारा' में धनुष और ममिता के अलावा जयराम, करुणास, सूरज वेंजारामूडु और के.एस. रविकुमार जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी करता है। इसके निर्देशक विग्नेश राजा हैं। यह 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिंगर और भतीजे अमाल ने अन्नू मलिक पर फिर साधा निशाना

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सिंगर अमाल मलिक रिश्ते में अनु मलिक के भतीजे हैं। एक लंबे वक्त से इन दोनों के रिश्तों में खटास है, यह बात जगजाहिर है। अनु मलिक इस बात को लेकर ज्यादा नहीं बोलते हैं लेकिन सिंगर अमाल मलिक जब-तब अपने दर्द को बयां करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि कैसे अनु मलिक ने महेश भट्ट की फ्री में काम करके, उनके पिता डब्बू मलिक से वो प्रोजेक्ट छीना। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में अमाल मलिक कहते हैं, एक कंपोजर के तौर पर अनु मलिक को मैं सैल्यूट करता हूं, उन्होंने मर्डर फिल्म में अच्छा म्यूजिक बनाया। लेकिन एक इंसान के तौर पर वो पसंद नहीं है। उन्होंने महेश भट्ट को जाकर कहा था कि फ्री में फिल्म करेंगे लेकिन डब्बू को यह प्रोजेक्ट मत दो। अरे उनके सामने कोई भी हो, उनको बस आग लगानी है। बता दें कि आग लगा दी, आग लगा दी यह अनु मलिक का तकिया कलाम है। अमाल मलिक आगे कहते है, अच्छी बात है कि आपके अंदर काम को लेकर एक फायर है। लेकिन इसमें अपने परिवार को कौन जलता है।

सौतेले बेटे करण की जासूसी करने निकली तुलसी, सच जानकर पैरों तले खिसकी जमीन

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। चर्चित सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में लोगों की शादियां टूटने का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस सीरियल में या तो किसी का तलाक हो रहा होता है, या किसी की दूसरी शादी कराने की कोशिशें चल रही होती हैं। तुलसी और मिहिर का तलाक हो ही चुका है। अब परिवार के सदस्य दोनों की दोबारा शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। इस बीच एक और आदर्श जोड़ी के रिश्ते में दूरियां आ गई हैं। तुलसी और मिहिर के बाद विरानी परिवार में करण और नंदिनी को आदर्श जोड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। मगर, लगता है कि करण भी अपने पिता के नक्शे-कदम पर चल पड़ा है। मिहिर का शादी से बाहर अफेयर रहा है। अब फिलहाल इस सीरियल में दिखाई जा रही कहानी के हिसाब से करण भी अपनी पत्नी नंदिनी को धोखा दे रहा है। पिछले एपिसोड में देखा गया कि नंदिनी ने करण को दूसरी महिला के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। उसने घरवालों को यह बात बताई तो किसी ने नहीं माना। बाद में तुलसी ने खुद पता लगाने का फैसला लिया, वह करण के फ्लैट पर पहुंची तो करण ने यहां भी चालाकी से सच छिपा लिया। मगर, गौतम ने करण की सारी सच्चाई खोलकर रख दी है।

इसके बाद तुलसी ने जब जासूसी की तो सच देखकर दंग रह गई। करण मीटिंग का बहाना बनाकर एक महिला से मिलने जाता है। तुलसी भी उसका पीछा करती है। इस तरह उसे करण की सच्चाई पता चलती है कि नंदिनी के अलावा उसका किसी और महिला से सिर्फ अफेयर ही नहीं है, बल्कि दोनों की शादी हो चुकी है। इनका एक बेटा भी है। यह देख तुलसी चौंक जाती है। वह घर आकर नंदिनी से बात करती है। इसके बाद नंदिनी अपना फैसला सुनाते हुए कहती है कि वह करण को तलाक देगी।

गीता गोविंदम फिल्म के गाने पर इंफ्लुएंसर ने बनाई रील, रश्मिका ने दिया प्यारा रिएक्शन

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। एक इंफ्लुएंसर की रील पर रश्मिका ने प्यारा सा रिएक्शन दिया है। वह इंफ्लुएंसर के डांस की कायल कायल हो गईं। एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की फिल्म गीता गोविंदम (2018) के गाने वचिंदम्मा पर जबरदस्त और फनी डांस किया है। रश्मिका तक भी यह वीडियो पहुंचा तो उन्होंने बिना देर किया उस इंफ्लुएंसर को सराहा। इंफ्लुएंसर की इंस्टाग्राम वीडियो पर कमेंट करते हुए रश्मिका ने लिखा, अरे वाह, मुझे यह वीडियो बहुत पसंद आया। क्या डांस है, कमाल कर दिया। यह मुझे यह बहुत-बहुत पसंद आया। रश्मिका के अलावा अपारशक्ति खुराना ने भी इस वीडियो पर रिएक्शन दिया। इंफ्लुएंसर के डांस को सराहा। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस इंफ्लुएंसर की खूब तारीफ की है। रश्मिका मंदाना अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ एक दक्षिण भारतीय फिल्म रणबाली कर रही हैं। वहीं वह शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ बॉलीवुड फिल्म कॉकटेल 2 में भी नजर आएंगी।

प्रेग्नेंट कियारा को गले लगाने वाला था शख्स, फिर सिद्धार्थ ने उठाया बड़ा कदम

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन कपल में से एक हैं। उनके कई चाहने वाले हैं। दोनों के बॉडीगार्ड, जीशान कुरैशी ने हाल ही में एक घटना को याद किया, जिसमें एक फैन ने कियारा की प्रेग्नेंसी के दौरान उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी। बॉडीगार्ड ने इस कपल की जैसलमेर में हुई शादी के पीछे महीनों तक चली प्लानिंग को भी याद किया। स्क्रीन के साथ बातचीत में जीशान ने बताया कि जब कियारा 7 महीने की प्रेग्नेंट थीं, तब वह एक ब्रांड शूट के लिए गई थीं। जब वह अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलीं, तो वहां मौजूद एक सदस्य ने उनसे संपर्क किया और उन्हें गले लगाने की कोशिश की। जीशान तुरंत बीच में आ गए, जिससे दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। हालात इतने गंभीर हो गए कि उन्हें स्थिति को संभालने के लिए अधिकारी को बुलाना पड़ा। जीशान ने बताया 'उसने सूट पहना हुआ था, मुझे लगा कि वह एक शरीफ आदमी है। कई फैंस जब कलाकारों को असल में देखते हैं तो अपना नियंत्रण खो देते हैं।' इसके बाद सिद्धार्थ ने कियारा की सुरक्षा और बढ़ा दी। बॉडीगार्ड ने बताया कि सिद्धार्थ ने खुद उनसे शूट के दौरान कियारा के साथ रहने के लिए कहा था, जबकि कियारा के पास पहले से ही अपनी सुरक्षा मौजूद थी। प्रेग्नेंसी की वजह से उन्हें सामान्य से कहीं ज्यादा एहतियाती कदम उठाने पड़े। फरवरी 2023 में हुई शादी के बारे में जीशान ने बताया कि टीम ने सेरेमनी से चार महीने पहले ही जैसलमेर में कई बार जाकर जगह का जायजा लिया था। ड्रोन से निगरानी की गई, मीडिया ने चारों तरफ से वेन्यू को घेर रखा था। हर जगह को काफी पहले से ही सुरक्षित कर लिया गया था। इस पूरी योजना को सिद्धार्थ खुद ही डायरेक्ट कर रहे थे। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की पहली मुलाकात 2021 में उनकी फिल्म 'शेरशाह' के सेट पर हुई थी। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री लोगों को पसंद आ गई। इसके बाद दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे।

लाफ्टर शेफ्स 3' में अचानक पहुंचीं सुनीता, पैरों में गिरे कृष्णा अभिषेक

मुंबई, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच मन-मुटाव किसी से छिपा नहीं है। किसी बात को लेकर दोनों के बीच वर्षों तक तकरार रही। मगर, अब दोनों ही गिले-शिकवे भुला चुके हैं। बीते दिनों सुनीता आहूजा को कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा के साथ काफी हंसी-मजाक करते देखा गया था। उन्होंने कहा था, '14 साल का वनवास खत्म हुआ'। अब वे 'लाफ्टर शेफ्स-3' में मेहमान बनकर पहुंचीं, जहां कश्मीरा और गोविंदा ने उनसे ऑन कैमरा माफी मांगी। रियलिटी टीवी शो 'लाफ्टर शेफ्स-3' काफी पसंद किया जाता है। हर वीक यहां नए-नए मेहमान आते हैं। इस वीक की मेहमान गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा हैं। वे जैसे ही सेट पर पहुंचीं, उन्हें देख कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह चौंक गए। मगर, फिर दोनों ने मामी से माफी मांगी। यह पल काफी इमोशनल हो गया। हाल ही में शो का प्रोमो जारी हुआ है। शो 'लाफ्टर शेफ्स-3' के सेट पर सुनीता आहूजा, गोविंदा और कश्मीरा की इमोशनल रीयूनियन हुई। प्रोमो में देखा जा सकता है कि सुनीता आहूजा भांजे कृष्णा का नाम लेते हुए सरप्राइज एंट्री करती हैं। मामी को सामने देख कृष्णा हैरान रह जाते हैं। वे इमोशनल होकर कहते हैं, '14 साल बीत गए'। इसके बाद वे मामी के पैरों में गिर जाते हैं। यह देख सुनीता भी भावुक हो गईं। इसके बाद कृष्णा कहते हैं, 'मुझे तो आज आपके चरणों में पार्किंग मिल गई। मगर दो लोगों को पार्किंग चाहिए'। शो के सेट पर कृष्णा की पत्नी व एक्ट्रेस कश्मीरा भी मौजूद हैं। वे अपनी मामी सास से माफी मांगती हैं और कहती हैं, 'आई एम सो सॉरी'।

क्रिकेट

मुश्किल समय में अल्कारेज को मिला नडाल और सिनर का साथ

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। कलाई की चोट की वजह से फ्रेंच ओपन 2026 से अपना नाम वापस लेने वाले स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को टेनिस जगत के दिग्गजों का समर्थन मिला है। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल और मौजूदा समय में अल्कारेज के सबसे बड़े प्रतियोगी यानिक सिनर ने इस मुश्किल समय में अल्कारेज का समर्थन किया है। राफेल नडाल ने सोशल मीडिया के जरिए अल्कारेज का मनोबल बढ़ाया।

नडाल ने लिखा कि ऐसे कठिन समय खिलाड़ी की असली ताकत को सामने लाते हैं और उन्हें भरोसा है कि अल्कारेज जल्द ही पहले से भी मजबूत होकर वापसी करेंगे। नडाल का यह संदेश टेनिस समुदाय में काफी सराहा जा रहा है, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों के बीच खास रिश्ता माना जाता है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने भी अल्कारेज के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि टेनिस को अल्कारेज जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है, क्योंकि उनके होने से खेल और रोमांचक बनता है।

दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल अल्कारेज को यह चोट बार्सिलोना में खेले गए एटीपी 500 टूनामेंट के पहले दौर के मुकाबले के दौरान लगी थी। शुरूआती जांच के बाद उन्होंने सावधानी बरतते हुए बड़े टूनामेंट से दूरी बनाने का फैसला किया। इस फैसले के साथ यह भी तय हो गया कि वह 2021 के बाद पहली बार पेरिस में होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्कारेज ने भी अपने फैंस को संदेश देते हुए कहा था कि मेडिकल टेस्ट के बाद टीम ने यही फैसला लिया कि फिलहाल उनके लिए आराम करना ही सही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का कठिन दौर है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि वह जल्द वापसी करेंगे। अल्कारेज हाल ही में शानदार फॉर्म में थे।

उन्होंने इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा किया था। लेकिन चोट के कारण अब उन्हें महत्वपूर्ण रैंकिंग प्वाइंट गंवाने पड़ सकते हैं, क्योंकि रोम और फ्रेंच ओपन में वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे।

आईपीएल के बीच श्रीसंत ने हरभजन से क्यों तोड़े रिश्ते?

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आईपीएल इतिहास का चर्चित 'स्लैपगेट' विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत और हरभजन सिंह के रिश्तों में अब कड़वाहट खुलकर सामने आ गई है। दोनों खिलाड़ी, जो कभी इस विवाद के बाद आगे बढ़ चुके थे, अब एक बार फिर आमने-सामने हैं। श्रीसंत ने हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने 'स्लैपगेट' विवाद पर आधारित एक विज्ञापन से मोटी कमाई की। उन्होंने मलयालम न्यूज आउटलेट मातृभूमि से कहा, 'मैंने कभी भी भज्जी के बारे में किसी इंटरव्यू में बात नहीं की, लेकिन अब पहली बार बोल रहा हूं।' श्रीसंत ने दावा किया, 'उन्होंने इस पर एक विज्ञापन बनाया और करीब 80 लाख से एक करोड़ रुपये कमाए। फिर उन्होंने मुझे कॉल करके कहा कि मैं इसे अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करूं, लेकिन मैंने साफ मना कर दिया।' श्रीसंत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने 2008 में हुई घटना को माफ जरूर किया है, लेकिन उसे भुलाया नहीं है।

चोट से उबरकर दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े मिचेल स्टार्क, टीम को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को बड़ी राहत मिली है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क चोट से उबरकर टीम कैंप से जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया के जरिए इस खबर की पुष्टि की, जिससे टीम और फैंस दोनों में उत्साह देखने को मिला। स्टार्क कंधे और कोहनी की चोट के चलते काफी समय से क्रिकेट से दूर थे। दरअसल, एशेज सीरीज में भारी वर्कलोड के बाद उन्हें यह समस्या हुई। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 150 से ज्यादा ओवर फेंके और 31 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी बने। इसके बाद बिग बैश लीग में खेलते हुए उन्हें चोट और गंभीर हो गई, जब कैच पकड़ने के दौरान वे गिर पड़े।

हालांकि मिचेल स्टार्क टीम के साथ जुड़ चुके हैं, लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। टीम मैनेजमेंट उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय देना चाहता है। उम्मीद जताई जा रही है कि स्टार्क एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए बड़ा प्लस साबित होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी अब तक उतनी प्रभावी नहीं रही है।

इस समय दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में छठे स्थान पर है और टीम को लगातार अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है। स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाज की वापसी टीम के आत्मविश्वास को बढ़ा सकती है। उनकी गति और स्विंग विपक्षी बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। उनकी वापसी दिल्ली कैपिटल्स के लिए सीजन का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। अगर वह जल्द फिट होकर मैदान पर उतरते हैं, तो टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को नई ताकत मिल सकती है।

विराट कोहली ने पूरे किए 300 छक्के

बंगलूरू, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। अपनी पारी के दौरान स्टार बल्लेबाज ने चार छक्के लगाए और आईपीएल में 300 छक्कों का आंकड़ा छू लिया। वह आईपीएल इतिहास में 300 छक्के पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए।

गुजरात के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए किंग कोहली ने 184.09 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 81 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने आईपीएल में 300 से ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया। उनसे पहले इस टूनामेंट में 300 छक्कों का आंकड़ा रोहित शर्मा और क्रिस गेल छू चुके हैं। क्रिस गेल इस मामले में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 142 मुकाबलों में 357 छक्के ठोके। वहीं, रोहित शर्मा अब तक खेले 276 मैचों में 310 छक्के ठोक चुके हैं।

गुजरात के खिलाफ सर्वाधिक रनों की पारी खेलने वाले विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस पारी के दम पर किंग कोहली आईपीएल 2026 के शीर्ष स्कोरर भी बन गए। अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने ऑरेंज कैप हासिल कर ली। कोहली के सात मैचों में 328 रन हो गए हैं। वहीं, अभिषेक शर्मा सात मुकाबलों में में 323 रन के साथ दूसरे और हेनरिक क्लासेन सात मैचों में 320 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

फील्डिंग के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हुए लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें बाहर ले जाया गया। एनगिडी की चोट ज्यादा गंभीर मालूम पड़ रही है।

शुरूआत में वह डॉक्टर से कुछ बात कर रहे थे। मैदान पर पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग भी पहुंचे। दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल मुकाबले के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल को फील्डिंग के दौरान सिर में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया।

आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे बल्लेबाज बने राहुल

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया है। राहुल ने 47 गेंदों पर शतक लगाया जो आईपीएल में उनका छठा शतक है।

राहुल इस टूनामेंट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में राहुल ने क्रिस गेल की बराबरी कर ली है जिन्होंने उनकी ही तरह आईपीएल में छह शतक लगाए हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली अब तक इस टूनामेंट में आठ शतक लगा चुके हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर जोस बटलर ने जिन्होंने आईपीएल में सात शतक लगाए हैं। वहीं, गेल और राहुल के छह-छह शतक हैं और संजू सैमसन पांच शतकों के साथ सूची में चौथे स्थान पर मौजूद हैं। केएल राहुल ने इस दौरान नीतीश राणा के साथ रिकॉर्ड साझेदारी की। पहला झटका लगने के बाद नीतीश और राहुल ने दिल्ली की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पंजाब के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया और लगातार दबाव बनाए रखा। राहुल और नीतीश ने दूसरे विकेट के लिए 220 रनों की साझेदारी की। जैवियर बार्टलेट ने नीतीश को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जो 44 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

केएल राहुल और नीतीश राणा के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 265 रनों का लक्ष्य दिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 264 रन बनाए। राहुल और नीतीश ने दमदार साझेदारी की जिससे दिल्ली पंजाब के सामने विशाल लक्ष्य रखने में सफल रही। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 67 गेंदों पर 16 चौकों और नौ छक्कों की मदद से नाबाद 152 रन बनाए, जबकि नीतीश 44 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और अर्शदीप सिंह ने जल्द ही पाथुम निसांका को आउट कर दिया था जो सात गेंदों पर दो चौकों की मदद से 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद राहुल और नीतीश ने दिल्ली की पारी को संभाला और पंजाब के गेंदबाजों को जमकर परेशान करते हुए दबाव बनाया।

Postal Registration no L-2/HR/FBD/290/24-26

सत्यजय टाईम्स
हिंदी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

एचसीएस परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, डीसी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 26 अप्रैल को आयोजित होने वाली एचसीएस एवं अन्य अलाइड सर्विसेज प्रीलिम्स परीक्षा-2025 के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के 80 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। परीक्षा के सुचारू संचालन और निगरानी के लिए लघु सचिवालय स्थित डीसी कार्यालय के कक्ष संख्या 215 में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम का संपर्क नंबर 0129-2227934 निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए 8 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, जो सुबह 7 बजे से परीक्षा समाप्ति तक कंट्रोल रूम में तैनात रहेंगे। इसमें एचआरए शाखा से अजीत सिंह, तहसील बडखल से रामेश्वर, उपायुक्त कार्यालय से जितेंद्र सहित डाटा एंट्री ऑपरेटर कुमरपाल, तारूस सिंगला, प्रदीप, नेतराम और ईश्वर कौशिक शामिल हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, जिसके लिए कंट्रोल रूम लगातार सक्रिय रहेगा।

आरबीआई अधिकारी बनकर ठगे 1.90 करोड़, खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। फरीदाबाद में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां ठगों ने खुद को आरबीआई अधिकारी बताकर करीब 1,90,78,699 रुपये की ठगी को अंजाम दिया। इस मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने खाताधारक रशनप्रीत सिंह, निवासी तुडी कॉलोनी, अनारदाना चौक, पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सेक्टर-29 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि 6 दिसंबर 2025 को उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को एयरटेल हेडक्वार्टर गुरुग्राम का कर्मचारी बताते हुए वाई-फाई कनेक्शन बंद होने की बात कही। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के जरिए दूसरे व्यक्ति ने खुद को आरबीआई अधिकारी बताया और खातों में जमा एफडी राशि की जांच के नाम पर पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा। ठगों के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने आरटीजीएस के माध्यम से अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.90 करोड़ रुपये बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब पैसा वापस नहीं मिला, तब उसे ठगी का एहसास हुआ और साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने खाताधारक रशनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया, जिसके खाते में ठगी के 25,18,700 रुपये ट्रांसफर हुए थे।

आरोपी मोबाइल फोन की दुकान चलाता है और उसने अपना बैंक खाता ठगों को उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सट्टा खाई करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/वनिता। फरीदाबाद क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने थाना सराय ख्वाजा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सट्टा खाई कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 24 अप्रैल को टीम को गुप्त सूचना मिली कि बाईपास रोड स्थित यूनिवर्सल अस्पताल के पास सट्टा लगाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को काबू किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित पांडे, निवासी गांव अगवानपुर फरीदाबाद, अमित गुप्ता और शिवम, निवासी मीठापुर दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 25,350 रुपये बरामद किए हैं, जो सट्टा राशि बताई जा रही है। जांच में सामने आया है कि आरोपी अमित पांडे के खिलाफ पहले से एचजी एक्ट के तहत 2 मामले दर्ज हैं, जबकि अमित गुप्ता पर एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 मामला दर्ज है। फरीदाबाद पुलिस का कहना है कि अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी, 6 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। फरीदाबाद में साइबर ठगी का एक और बड़ा मामला सामने आया है, जहां शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 87,60,000 रुपये की ठगी की गई। इस मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 3 अलग-अलग बैंक खातों की चैन का खुलासा करते हुए 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरजिंद्र सिंह, अभय सागर, प्रोत्खो जस्टीन, फुरकन इलियास, शोहेब और पुनित कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता केअनुसार, हरजिंद्र सिंह, अभय सागर और प्रोत्खो जस्टीन पहले से ही एक अन्य साइबर मामले में दिल्ली जेल में बंद थे, जिन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की गई। जांच में सामने आया कि पहली खाते की चैन में अभय सागर खाताधारक था, जिसका खाता हरजिंद्र सिंह ने लेकर आगे ठगों को उपलब्ध कराया। इस खाते में ठगी के 1 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे।

व्यापारी से लूट की आरोपी महिलाओं की जल्द हो गिरफ्तारी : राम जुनेजा

पुलिस उपायुक्त से मिला हरियाणा व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल

कार्रवाई न होने पर डीजीपी से मुलाकात की दी चेतावनी

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। हरियाणा व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पुलिस आयुक्त एनआईटी फरीदाबाद से मुलाकात कर एमबीबीएस में दाखिला कराने के नाम पर लाखों की लूट मे आरोपी महिलाओ की गिरफ्तारी की मांग की। मंडल के जिलाध्यक्ष श्री राम जुनेजा के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त को बताया कि भोले भाले व्यापारियों के साथ इस प्रकार की लूट को लेकर पुलिस प्रशासन को कठोर रुख अपनाना चाहिए, जबकी थाना प्रभारी का कहना हैकि वह आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार नही करेंगे। जिलाध्यक्ष के अनुसार यदि पुलिस का यही रुख रहा तो कुटिल मानसिकता वाली महिलाएं तो व्यापारियों के लिए अभिशाप बन जाएंगीं? प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि मामले में नियमानुसार कठोर कार्रवाई करते हुए आरोपी महिलाओं को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा? वही दूसरी तरफ हरियाणा व्यापार मंडल ने पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि आरोपी महिलाओं की जल्द गिरफ्तारी नहीं की गई तो वह इस मामले को लेकर डीजीपी साहब से मुलाकात कर उनको व्यापारियों के साथ हो रहे इस अन्याय से अवगत कराएंगे।

प्रधान राम जुनेजा के नेतृत्व में एनआईटी पुलिस उपायुक्त का स्वागत करता हरियाणा व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

इस बिषय में अधिक जानकारी देते हुए हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान श्री राम जुनेजा ने बताया कि एक नम्बर के एक दवा बिक्रेता दीपन मदान के साथ आज से दो साल पहले उनके ही पडोस में रहने वाले विकल्प सुखीजा, सिमरन खत्री सुखीजा अनीता सुखीजा व अंशुभ सुखीजा ने धोखाघडी करते हुए दस लाख पचास हजार रुपए लूट लिए, पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर विकल्प सुखीजा को तो गिरफ्तार कर लिया तथा उनको कोर्ट ने न्यायायिक हिरासत में भेज दिया, लेकिन आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार करने में पुलिस आनाकाना कर रही है। श्री जुनेजा का तो यहां तक आरोप है कि इस मामले में पुलिस राजनैतिक दबाव के चलते व्यापारी दीपन मदान के साथ न्याय नहीं कर रही है, जबकी आरोपी महिला इस मामले में विकल्प सुखीजा के साथ पूरी तरह से शामिल हैं?

श्री राम जुनेजा ने बताया कि सुखीजा परिवार दीपन मदान जो कि एक मैडीकल स्टोर चलाता है के मैडीकल स्टोर से दवाएं लेने आता था, जहां पर उन्होंने बताया कि उनके उपर तक रसूक हैं तथा वह बडे-बडे लोगों को जानते हैं, कोई काम हो तो बताना। भोला भाला व्यापारी दीपन मदान उनके वहकावे व बडी-बडी बातों में आ गया और उसने कहा कि उसके बेटे ने 12वीं पास की है, यदि उसका किसी सरकारी मैडीकल कालेज में एडमिशन हो जाए तो बढिया है। जिस पर सुखीजा परिवार ने एक साथ दीपन मदान को सपने दिखाए कि वह उनके बेटे का एडमिशन ईएसआई मैडीकल कालेज में करा देगें, तथा दीपन मदान से 35 लाख रुपए की मांग तथा जल्द से जल्द 11 लाख रुपए देने की मांग की ताकि वह उनके लिए सीट बुक करा सके। श्री जुनेजा के अनुसार मदान ने उनको छह जून 2024 को छह लाख रुपए अमर बजाज नामक व्यापारी के कार्यालय एक के 12 एनआईटी फरीदाबाद पर विकल्प सुखीजा को दिए जिसकी विडियो रिकार्डिंग भी पुलिस को दी गई है, इसी प्रकार से साढे तीन लाख रुपए नकद व पचास हजार का पेटीम सिमरन खत्री सुखीजा को बीस जून 2024 को उनके निवास पर दिए। यही नहीं उन्होने पचास हजार का पेटीम 21 जून 2024 को अनीता सुखीजा को पेटीएम के माध्यम से भेजे।

लेकिन जब एमबीबीएस में प्रवेशकी तारीख निकल गई और व्यापारी मदान के बेटे का एमबीबीएस में प्रवेश नहीं हुआ तो उन्होने अपने पैसे की वापसी की मांग की, लेकिन आरोपियों ने पैसा देनादूर उनको धमकाने का काम किया। जिस पर दीपन मदान ने थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज करा दी और पुलिस ने भी दिनांक बीस फरवरी 2026 को आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 406,420,506, 34 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी विकल्प सुखीजा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को एनआईटी पुलिस उपायुक्त से मुलाकात कर उनको बताया कि विकल्प सुखीजा को तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन थाना प्रभारी अब आरोपी महिलाओ को गिरफ्तार नहीं कर रहे हैं, जिस पर समस्या की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस उपायुक्त ने तुरंत थाना प्रभारी को तलब किया तथा श्री राम जुनेजा के अनुसार वहां पर भी थाना प्रभारी का वही कहना था कि पुलिस महिलाओ को इस मामले में गिरफ्तार नही कर सकती? जिस पर श्री राम जुनेजा ने व्यापारियो की तरफ से पैरवी करते हुए पुलिस उपायुक्त को बताया कि जब पुलिस इस प्रकार की आरोपी महिलाओं को सलाखों के पीछे नहीं भेजेगी तो प्रदेश सरकार द्वारा महिला पुलिस, महिला जेल व महिला थानों जैसी व्यवस्था कायम करने का फायदा क्या है? उन्होंने प्रश्न उठाया कि यदि पुलिस इस प्रकार से लूट मचाने वाली महिलाओ को गिरफ्तार ही करेगी तो ऐसे तो अफरा तफरी का माहौल हो जाएगा, व्यारियों का काम करना मुश्किल हो जाएगा?

श्री राम जुनेजा ने बताया कि हरियाणा व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उनके अतिरिक्त एक नम्बर के प्रधान विनोद आहुजा, बाटा चौक मार्केट एशोशिएसन के प्रधान सागरदुआ, आनंदआहुजा, हरजीत सिह, संजय तथा राहुल शामिल थे की बात सुनने के बाद पुलिस उपायुक्त कहा कि जल्द ही इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, और जो दोषी होगा फिर चाहे वह महिला ही क्यों न हो गिरफ्तार किए जाएंगें। पुलिस उपायुक्त के इस आश्वासन पर उनका आभार व्यक्त करते हुए श्री राम जुनेजा ने स्पष्ट किया कि यदि व्यापारियों की बात को अनसुना किया गया और आरोपी महिलाओं की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो वह डीजीपी साहब से मिलकर व्यापारियों के साथ हो रहे इस अन्याय की गुहार लगाएंगे।

विपुल गोयल ने अपने जन्मदिवस पर दिया हरित और विकसित फरीदाबाद का संकल्प

कैबिनेट मंत्री ने हवन-पूजन और जरूरतमंदों को राहत सामग्री देकर मनाया जन्मदिवस

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। सेक्टर-12 स्थित सेंट्रल पार्क लॉन एवं बैंक्वेट हॉल में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के जन्मदिवस के पावन अवसर पर भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की गई।

इसके पश्चात विशाल स्तर पर भोजन प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अपने जन्मदिन पर बच्चों को सम्बोधित करते कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

इस विशेष अवसर पर मंत्री विपुल गोयल ने स्कूल की बच्चियों के साथ केक काटकर जन्मदिवस मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि हवन-पूजन के माध्यम से उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि फरीदाबाद और हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जनता का प्रेम और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि एनसीआर क्षेत्र में पर्यावरण को सुरक्षित रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में जनभागीदारी से हुए पौधारोपण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और फरीदाबाद के वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार दर्ज हुआ है। मंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के हर शुभ अवसर पर पौधारोपण करें और उसके संरक्षण का संकल्प लें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस अवसर पर सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद लोगों के बीच उपयोगी वस्तुओं का वितरण भी किया गया। गर्मी से राहत के लिए छतरियां और पानी की बोतलें, जबकि आने वाले मानसून को देखते हुए रेनकोट, जैकेट और जूट बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार फरीदाबाद के विकास के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग से शहर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

हरियाणा की नई औद्योगिक नीति पर मुख्यमंत्री के साथ अहम बैठक, एमएसएमई मुद्दों पर हुआ मंथन

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। हरियाणा की आगामी औद्योगिक नीति को लेकर 23 अप्रैल को हरियाणा भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नायब सिंह सैनी और राव नरबीर सिंह ने लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तार से चर्चा की। बैठक में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं संबंधित विभागों के सचिव भी उपस्थित रहे।

इस दौरान लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने औद्योगिक नीति के मसौदे पर अपने सुझाव और चिंताएं विस्तार से प्रस्तुत कीं। प्रतिनिधिमंडल में अरुण बजाज, शुभ आदेश मित्तल, मनोज कुमार रुंगटा, सुधीर चंद्र, भूपेंद्र शर्मा, अमृतपाल कोच्छर, श्रीकांत दमानी, संजय दत्ता, कपिल गुप्ता, रमण जैन और विनोद गुप्ता शामिल रहे। बैठक के दौरान एमएसएमई सेक्टर से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें पुराने उद्योगों के विस्तार, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम को मजबूत करने, औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार, कंसेंट टू ऑपरेट और कंसेंट टू एस्टैब्लिश के लिए वन टाइम सेटलमेंट, उद्योगों के लिए लीज पर भूमि उपलब्ध कराने और श्रमिकों के आवास हेतु अनुदान जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके साथ ही राज्य में एमएसएमई उद्योगों की वृद्धि और निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव भी सरकार के समक्ष रखे गए। बैठक के अंत में राज्य सरकार ने संतुलित, विकासोन्मुख और उद्योगों के अनुकूल नीति बनाने के लिए सभी हितधारकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आवश्यक जानकारी

सत्यजय टाईम्स में छपवाए अपने कोर्ट नोटिस

फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक सत्यजय टाईम्स डीएवीपी, रेलवे तथा हरियाणा सरकार** के साथ-साथ **पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़** की विज्ञापन सूची में शामिल **हिन्दी दैनिक** है जिसमें आप अपने न्यायालयों से संबंधित नोटिस भी प्रकाशित करा सकते है।

सत्यजय टाईम्स Satyajay Times

संपर्क करें :-
विज्ञापन प्रबंधक, मो.9643311765
9811232533, 0129-4042533
Email : satyajaytimes@gmail.com,

पलवल में सत्यजय टाईम्स पत्र प्राप्त करने व विज्ञापन हेतु संपर्क करेः- कमेटी चौक, वार्ड नंबर-19, अरियन हॉस्पीटल के पीछे, मकान नंबर-237, **लक्ष्मण शर्मा**- 8295307492, **कपिल शर्मा**-98965 82968

होड़ल में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए संपर्क करें- अग्रवाल न्यूज एजेंसी
सम्पर्क सूत्र - अमित अग्रवाल 9254588483

नूहं जिले में दैनिक सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र प्राप्त करने एवं दैनिक सत्यजय टाईम्स में कोर्ट नोटिस, खोया पाया, बेदखली व अन्य प्रकार के विज्ञापन छपवाने के लिए संपर्क करें, जुबैर खान, नूंह बिजली बोर्ड के सामने, ऑफिस नूंह 9813631877, 8059131877 नूंह मेवात

सोहना में सत्यजय टाईम्स समाचार पत्र में समाचारों के लिए संपर्क करें- अशोक गर्ग -9354135063

दिल्ली ब्यूरो कार्यालय मकान नम्बर 304 गली नम्बर 5 मूगा नगर, करावल नगर रोड़ दिल्ली 94

यदि आप भी अपने किसी प्रियजन स्वजन को किसी भी प्रकार का कोई संदेश फोटो के साथ देना चाहते हैं, तो सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक इसमें आपका सहयोग करने को तैयार है, आप अपना संदेश अपने नाम व फोटो सहित हमें 7838364763 नंबर पर व्हाट्सएप करें। हम उसको सत्यजय टाइम्स हिंदी दैनिक में प्रकाशित करेंगे।

संपादकीय कार्यालय

खबरों व विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।
5आर-1 (प्रथम तल) नियर एच.डी.एफ. सी. बैंक बी.के. चौक एनआईटी फरीदाबाद।
मोबाईल नं-9811232533, 0129-4042533

मानसून से पहले प्रशासन अलर्ट, डीसी ने नालों की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

बुढ़िया नाला सहित मुख्य ड्रेनों की सफाई में तेजी, ड्रोन वीडियोग्राफी से होगी मॉनिटरिंग

फरीदाबाद, 25 अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने शहर को जलभराव की समस्या से मुक्त करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने शनिवार को बुढ़िया नाला सहित शहर के प्रमुख नालों और ड्रेनों का स्थलीय निरीक्षण कर सफाई कार्यों की समीक्षा की।

नहरों की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते जिला उपायुक्त आयुष सिंहा।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

निरीक्षण के दौरान डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नालों की सफाई तय समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाए, ताकि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था बाधित न हो और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बुढ़िया नाला और अन्य जलभराव संभावित क्षेत्रों का दौरा कर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और निर्देश दिए कि नालों में जमा गाद (सिल्ट) को पूरी तरह हटाया जाए। साथ ही जल निकासी क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी उपायों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए। डीसी ने साफ तौर पर कहा कि कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से नियमित वीडियोग्राफी करवाने और बिफोर-आफ्टर रिपोर्ट के आधार पर दैनिक प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ऐसा कार्य किया जाए जिससे बरसात के मौसम में शहर के किसी भी हिस्से में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके लिए पर्याप्त मशीनरी और मैनपावर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा डीसी ने संवेदनशील क्षेत्रों जैसे एयरफोर्स स्टेशन तिलपत, बादशाहपुर और अलीपुर तिलोरी पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। इन क्षेत्रों में नदी किनारे कमजोर होने के कारण पानी खेतों में घुस जाता है। इस पर डीसी ने तटबंधों को मजबूत करने (बैंक स्ट्रेंथनिंग) का कार्य प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। साथ ही नालों से निकाली गई गाद का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि शहर को जलभराव से मुक्त रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं।

सत्यजय टाईम्स सेल्फी कॉर्नर

गीता रानी (बल्लभगढ़)

संजय कुमार (बल्लभगढ़)

अनिल दीवान (फरीदाबाद)

नमन गोयल (बल्लभगढ़)

आप भी यदि इस कॉलम में अपना फोटो प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उठाइए अपना मोबाइल फोन और आप अपने घर पर जो भी नया कर रहे हैं उसकी सेल्फी लें और भेज दें हमें नीचे लिखे व्हाट्सएप नंबर पर।

9811016963

स्वत्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक व मालिक) रूपेश कुमार बंसल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस डी-85 सैक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर उत्तर-प्रदेश 201301 से मुद्रित कर मकान नम्बर- 35/ए न्यू कालोनी, रेलवे रोड़ (भाटिया क्रेन वाली गली) फरीदाबाद 121001 (हरियाणा) से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-विजय चौहान* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।